राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 07 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-186 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्र सरकार से बातचीत को तैयार

● शर्त रखी-मुख्यमंत्री मीडिया के सामने खुद आकर बात करें

परीक्षा कराने वाली कंपनी का अकाउंटेंट गिरफ्तार

रांची (एजेंसी)। झारखंड में जेपीएसएससी समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों को सरकार ने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। छात्र इसके लिए तैयार हो गए। सरकार से बातचीत के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा। इसमें 8 छात्र, 2 पत्रकार और 1 वकील होंगे। बातचीत के दौरान सिर्फ छात्र प्रतिनिधि ही अपनी बात रखेंगे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए एसडीएम ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा। हालांकि, छात्रों ने एक शर्त भी रखी है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बात करें। इस दौरान कम से कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें। सीएम हेमंत सोरेन ने बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। रात छापेमारी कर टीडीपीएल के अकाउंटेंट को गिरफ्तार कर लिया।

ब्रिटेन से वापस आएगी मां वाग्देवी की प्रतिमा !

● भारत सरकार ने तेज किए राजनयिक प्रयास

भोपाल (एजेंसी)। धार की ऐतिहासिक भोजशाला से एक सदी पहले ब्रिटेन ले जाई गई 11वीं शताब्दी की देवी वाग्देवी की सफेद संगमरमर की प्रतिमा को वापस लाने के लिए भारत ने राजनयिक प्रयास तेज कर दिए हैं। केंद्र सरकार मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध और उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद लंदन संग्रहालय के साथ लगातार संपर्क में है, जिससे 2014 के बाद से 650 से अधिक प्राचीन कलाकृतियों को सफलतापूर्वक स्वदेश लाने वाले भारत के रिकॉर्ड में एक और बड़ा अध्याय जुड़ने की उम्मीद जगी है। धार की ऐतिहासिक भोजशाला का यह मामला है।

क्या लौट पाएगी वाग्देवी प्रतिमा

मध्य प्रदेश के लिए, व्यापक वैश्विक बहस का एक तात्कालिक और भावनात्मक रूप से आवेशित स्थानीय मुद्दा है। ऐसे में अब सवाल यह है कि क्या लंदन के ब्रिटिश संग्रहालय से देवी वाग्देवी के रूप में पूजी जाने वाली प्रतिमा अंततः धार लौट पाएगी। केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार से अनुरोध प्राप्त होने के बाद केंद्र ने राजनयिक और संस्थागत चैनलों के माध्यम से लगातार संपर्क बनाए रखा है।

यूपी में माफिया अतीक अहमद के बेटे की मौत

● कार डिवाइडर से टकराई,आखिरी शब्द-मुझे बचा लो

झांसी की जेल में बंद भाई से मिलने जा रहा था अबान

प्रयागराज (एजेंसी)। माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान (21) की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह गुरुवार सुबह प्रयागराज से झांसी जेल में बंद बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। क्रेटा कार में अबान के साथ उसके 4 दोस्त थे। झांसी से 70 किमी पहले सुबह 10.30 बजे पूंछ थाना इलाके में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार 7 फीट हवा में उछल गई। 40 फीट तक कार के टुकड़े हाईवे पर बिखर गए। अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। अबान समेत सभी 5 लोग अंदर फंस गए। चीख-पुकार मच गई। पुलिस और राहगीरों ने जैसे-तैसे दरवाजा तोड़कर सभी को बाहर निकाला। आगे की सीट पर बैठे अबान और उसके दोस्त सोनू की मौके पर मौत हो गई। जबकि बाकी 3 घायल उमर अहमद, मोहम्मद जैद और असलम को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। मरने से पहले अबान के आखिरी शब्द थे- मुझे बचा लो...।

संघ प्रमुख भागवत बोले- जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त

हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

मुंबई (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में किए जा रहे एक कार्यक्रम में बोल रहे हैं। इसका आयोजन इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी IIMUN अपनी 15वीं वर्षगांठ पर किया है।

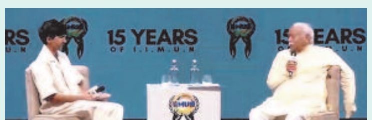

नीट पेपर लीक के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे आरएसएस का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था।

24 जुलाई को भागवत ने कहा था- नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें : मोहन भागवत ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के 4 दिन बाद कहा था कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।

आंदोलन सिस्टम में सुधार के लिए होना चाहिए- भागवत ने कहा कि हम यह नहीं कहेंगे कि जेन जेड को आंदोलन नहीं करना चाहिए। संविधान लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। लेकिन यह भी देखना चाहिए कि आंदोलन कैसे किया जा रहा है।हमें यह भी समझना होगा कि अगर जेन जेड आवाज उठा रही है, तो उसके पीछे कोई न कोई वास्तविक समस्या जरूर होगी।

गृह मंत्री गायब, पीएम आ नहीं रहे

● छात्र बर्बरता मामले में खरगे का तीखा सवाल ● बोले- क्या अब मुझे रिजिजू से सीखना पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस वार्ता कर केंद्र सरकार के साथ-साथ पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा 15 दिन से सदन चल रहा है और गृह मंत्री गायब हैं, प्रधानमंत्री आ नहीं रहे हैं। इसके दो ही मतलब हो सकते हैं। एक या तो वे संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं ये समझ रहे हैं कि संसद है ही नहीं। या तो वो डर के सदन में आकर उत्तर नहीं देना चाह रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम चाहते हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री सदन में आएं और देश को बताएं कि छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने सरकार पर अहंकार दिखाने का आरोप लगाते हुए कहा कि या तो सरकार डर गई है या फिर वह संसद के वजूद को कोई महत्व नहीं दे रही है। खरगे ने बताया कि उन्होंने राज्यसभा में भी इस मुद्दे को उठाया और जवाब मांगा, लेकिन सरकार बयान देने के लिए तैयार नहीं हुई। विपक्षी सांसदों ने सभापति से मिलकर मांग की है कि प्रधानमंत्री इस पर माफी मांगें और गृह मंत्री सदन में आकर आधिकारिक बयान दें। सभापति ने भी संसदीय कार्य मंत्री को इस बात से अवगत करा दिया है कि पूरा सदन चाहता है कि गृह मंत्री आकर इस पर जवाब दें।

रिजिजू ने कहा-

नए सांसदों को भी मौका दें

इस पर रिजिजू ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष विपक्ष के नए सदस्यों को बोलने का मौका ही नहीं दे रहे हैं। एक ही मुद्दे पर बार-बार बोलकर समय बर्बाद कर रहे हैं। पवन खेड़ा कांग्रेस के नए सांसद है। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर मैं सदन में उन्हें सम्मानित करना चाहता हूं। लेकिन दिक्कत यह है खेड़ा को अब तक वेलकम स्पीच देने तक का मौका नहीं मिला। दोपहर 2 बजे गृह मंत्री अमित शाह भी संसद पहुंचे थे। विपक्ष 20 जुलाई से लगातार सदन में उनकी गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठा रहा था। विपक्ष संसद मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ऐक्शन को लेकर शाह से जवाब की मांग कर रहा है।

नई चीनी मिल लगाएं और 70 करोड़ की सब्सिडी पाएं

1 रुपए में जमीन भी, बिहार सरकार का पोर्टल हुआ लॉन्च

पटना (एजेंसी)। बिहार में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने और औद्योगिक निवेश को रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने आधिकारिक रूप से शुगरकेन इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पोर्टल लॉन्च कर दिया। बिहार गन्ना उद्योग निवेश प्रोत्साहन नीति-2026 के तहत तैयार किया गया यह डिजिटल पोर्टल निवेशकों के लिए एक पारदर्शी सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि इस नई नीति के तहत बिहार में निवेश करने वाले निवेशकों और

उद्योगपतियों को वित्तीय छूट और सुविधाएं दी जा रही हैं। मंत्री ने बताया कि जो भी बिहार में चीनी मिल लगाएगा, उसे कुल खर्च में से 70 करोड़ की सब्सिडी मिलेगी। साथ ही स्टेट जीएसटी में भी 5 साल तक छूट मिलेगी।

बिहार सरकार का 25 नई मिलों का लक्ष्य- वर्तमान में बिहार में कुल 10 चालू चीनी मिलें हैं। हालांकि सम्राट चौधरी सरकार का लक्ष्य 25 और नई चीनी मिलें खोलने का है। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि सरकार लंबे समय से बंद पड़ी चीनी मिलों जैसे सकरी, रैयाम को दोबारा शुरू करने की योजना पर काम जारी है। मंत्री संजय कुमार ने बताया कि इस पोर्टल के शुरू होने से निवेशकों को नीतिगत जानकारियों, जमीन की उपलब्धता या सब्सिडी क्लेम के लिए अलग-अलग सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। निवेशक पोर्टल पर जिलेवार उपलब्ध जमीन का ब्योरा देख सकेंगे।

मेरी मां को राष्ट्र प्रमुख जैसा मिला सम्मान, पीएम मोदी ने दिया साथ

● शेख हसीना के बेटे के नए बयान से भड़केगी बांग्लादेश सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 2024 में सत्ता से हटाए जाने के बाद बुधवार 5 अगस्त को अपनी पहली वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा मुश्किल के वक्त में बांग्लादेश के साथ खड़ा रहा है और आगे भी ऐसा ही करेगा। शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का बहुत अच्छा दोस्त बताया। वहीं, उनके बेटे साजीब वाजेद जॉय ने कहा कि पीएम मोदी ने मेरी मां को एक राष्ट्र के प्रमुख के तौर पर सम्मान दिया।

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में कोर्ट से 10 साल की सजा

पणजी (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

उत्तराखंड में गंगा का रौद्र रूप, असम में 'जल' जला

● ऋषिकेश में वॉर्निंग लेवल पार, घाटों पर जाना रोका ● बद्रीनाथ हाईवे हुआ बंद, केदारनाथ में गाड़ियां फंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में मानसूनी बारिश आफत ला रही है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा नदी वॉर्निंग लेवल के ऊपर बह रही है। लोगों को घाटों पर न जाने की चेतावनी दी गई है। चमोली में हेलंग के पास पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद है। वहीं, देहरादून, चमोली, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग और पौड़ी गढ़वाल में आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ 12वीं तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। रुद्रप्रयाग में तिलवाड़ा के पास पहाड़ से मलबा और पानी केदारनाथ हाईवे पर आ गया। इससे कई गाड़ियां कीचड़ और चट्टानों के मलबे में दब गईं। इधर, यूपी के फर्रुखाबाद के 33 गांवों और 40 सरकारी स्कूलों में गंगा का पानी घुस गया है। बलिया में एक हफ्ते में 27 घर सरयू नदी में समा चुके हैं। प्रतापगढ़ में लगातार बारिश के कारण 100 साल पुराना मकान ढह गया, जिसमें एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई।

असम में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर - उधर, असम में बाढ़ की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। पिछले 24 घंटे में 6 और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस मानसून सीजन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 95 हो गई है। धानसिरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिसके चलते 14 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के 1.6 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। दिल्ली में गुरुवार सुबह कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। बारिश के बाद लोगों को उमस से राहत मिली। रोहतक रोड सहित कई सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग ने आज दिल्ली के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक दिनभर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम है। वहीं, अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। उत्तराखंड के चमोली जिले में लगातार बारिश के चलते हेलंग के पास बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से सड़क बंद हो गई। ये रास्ता सीधे बद्रीनाथ जाता है।

भगवंत मान के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहते हैं राजा वड़िंग

● पंजाब कांग्रेस चीफ ने बीच मीटिंग में भूपेश बघेल से कर दी बड़ी डिमांड

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि यदि कांग्रेस उन्हें चुनाव लड़ाना चाहती है तो उन्हें मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ मैदान में उतारा जाए। यहीं नहीं उन्हें यह तक कह दिया कि यदि उन्हें भगवंत मान के खिलाफ मैदान नहीं उतारा जाता तो उन्हें टिकट ही न दिया जाए। वडिंग ने ये बयान पंजाब कांग्रेस प्रभारी के सामने दिया। पंजाब कांग्रेस के हर बूथ कांग्रेस मजबूत अभियान के दौरान भूपेश बघेल की मौजूदगी में मंच से बोलते हुए वड़िंग ने कहा कि अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान का होगा। राजा वडिंग ने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तय करेंगे कि उन्हें किस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना है।

कांग्रेस में चरम पर जारी है गुटबाजी

पंजाब कांग्रेस इन दिनों दो गुटों में बंटी हुई दिखाई दे रही है। एक गुट राजा वडिंग का है तो दूसरी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का। चन्नी के समर्थक चाहते थे कांग्रेस हाईकमान पार्टी की कमान उनके नेता को सौंपे लेकिन हाईकमान ने चुनाव से पहले संगठन में किसी भी तरह के बदलाव करने से मना कर दिया था। पार्टी ने राजा वडिंग पर भी भरोसा जताते हुए उन्हें अध्यक्ष पर बने रहने के लिए कहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हथकरघा राष्ट्रनिर्माण की अनूठी पहल

(लेखक-सौरभ जैन अंकित)

(राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 7 अगस्त पर विशेष)

-अपनापन ने कारागृहों में हथकरघे स्थापित कर बंदियों को कौशल प्रशिक्षण और सम्मानजनक कार्य से जोड़ा

-आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से हथकरघा बना ग्राम स्वावलंबन, रोजगार और भारतीय विरासत के संरक्षण का माध्यम

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर राष्ट्रहित चिंतन के अंतर्गत संचालित हथकरघा प्रकल्प ने पिछले एक दशक में हथकरघे को केवल वस्त्र निर्माण का साधन न मानकर ग्रामीण स्वावलंबन, सम्मानजनक रोजगार, भारतीय कला-संस्कृति के संरक्षण और समाज के पुनर्निर्माण का माध्यम बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। जैन संत आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से प्रारंभ हुई इस यात्रा को वर्तमान में आचार्य श्री 108 समय सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त है। प्रकल्प का मूल चिंतन उस भारत की ओर लौटने का है, जहाँ गाँव स्वावलंबन के केंद्र थे, कुटीर उद्योग जीवन का आधार थे और श्रम एवं कौशल को सम्मान प्राप्त था। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के इंडिया से भारत की ओर के चिंतन से प्रेरित होकर चल-चरखा, श्रमदान एवं अपनापन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं, युवाओं तथा कारागृहों में निरुद्ध बंदियों को कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

10 राज्यों में 68 से अधिक हथकरघा केंद्र

पिछले लगभग दस वर्षों में यह अभियान व्यापक स्तर पर विकसित हुआ है। वर्तमान में 10 राज्यों में 68 से अधिक हथकरघा केंद्र तथा 9 से अधिक हस्तशिल्प केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इस यात्रा में 4,500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार से जोड़ा गया है। इनमें ग्रामीण महिलाएँ, पुरुष, युवा और कारागृहों में रहने वाले बंदी शामिल हैं। आज 2,700 से अधिक हथकरघे सक्रिय रूप से संचालित हैं, जबकि घर-घर हथकरघा अभियान के माध्यम से 500 से अधिक हथकरघे परिवारों तक पहुँचाए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त 40 सूक्ष्म ग्राम केंद्र स्थानीय स्तर पर रोजगार और उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किए गए हैं। प्रकल्प का प्रयास है कि ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े, बल्कि उन्हें अपने गाँव और घर में ही सम्मानजनक आजीविका का अवसर मिले।

हथकरघा से बदली ग्रामीण परिवारों की तस्वीर

इस पहल का प्रभाव केवल आँकड़ों में नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में दिखाई देता है।

डिंडोरी जिले के पिंडरूखी गाँव की सुखवती सुरजे हथकरघे से प्रतिदिन लगभग 300-350 रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। वर्षा के कारण खेती प्रभावित होने वाले परिवार के लिए यह आय आर्थिक संबल बनी है।

ललितपुर की मनकुँवर ने हथकरघा प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने घर पर हथकरघा स्थापित किया और अपने पति को भी यह कार्य सिखाया। आज दोनों मिलकर प्रतिमाह लगभग 30,000-35,000 रुपये अर्जित कर रहे हैं। हथकरघे ने उनके परिवार को रोजगार के लिए अलग-अलग शहरों में रहने की मजबूरी से भी मुक्त किया है।

कुंडलपुर के श्यामलाल और बीना बारह के निर्भय सिंह गौंड जैसे अनेक युवाओं के लिए हथकरघा स्थानीय स्तर पर स्थायी एवं सम्मानजनक स्वरोजगार का माध्यम बना है।

कारागृहों में अपनापन के माध्यम से पुनर्वास

हथकरघा प्रकल्प की विशिष्ट पहल अपनापन के माध्यम से कारागृहों में हथकरघे स्थापित कर बंदियों को कौशल प्रशिक्षण और सम्मानजनक कार्य से जोड़ा जा रहा है। वर्तमान में 9 जेलों में 305 से अधिक बंदी हथकरघा कार्य से जुड़े हैं, जबकि 250 से अधिक बंदी प्रशिक्षण प्राप्त कर रिहा हो चुके हैं। इस पहल का उद्देश्य बंदियों को केवल कारावास के दौरान व्यस्त रखना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा कौशल, कार्यानुभव और आत्मसम्मान देना है जिसके आधार पर वे रिहाई के बाद समाज में सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित हो सकें। इस प्रकार जहाँ कभी कारागृह केवल दंड की व्यवस्था के रूप में देखे जाते थे, वहीं हथकरघे के माध्यम से वहाँ कौशल, श्रम, प्रार्थना और पुनर्वास का वातावरण विकसित करने का प्रयास हो रहा है।

परंपरागत भारतीय कला का संरक्षण

हथकरघा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अनेक पारंपरिक बुनाई तकनीकें आज लुप्त होने की कगार पर हैं। प्रकल्प सक्रिय उत्पादन के माध्यम से इन कलाओं को जीवित रखने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा है। इसी उद्देश्य से नई पीढ़ी को भी हथकरघा एवं हस्तशिल्प से जोड़ने की पहल की गई है। प्रतिभाशाली ज्ञानोदय विद्यापीठ की छात्राओं के लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक व्यावहारिक हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा के साथ कौशल, संस्कृति के साथ स्वावलंबन और परंपरा के साथ उद्यमिता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रकृति, स्वदेशी और न्यायपूर्ण व्यापार

प्रकल्प हाथ से संचालित उत्पादन प्रक्रियाओं और प्राकृतिक रेशों के उपयोग को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ना है। शुद्ध सूती, हाथ से बुने और त्वचा के अनुकूल वस्त्रों के माध्यम से प्राकृतिक एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक कारीगर को उसके श्रम का उचित पारिश्रमिक और न्यायपूर्ण व्यापार के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को सम्मानजनक जीवनयापन का आधार उपलब्ध कराना प्रकल्प की प्रमुख प्राथमिकताओं में है।

सीएसआर एवं सामाजिक संस्थाओं के साथ सहयोग से बढ़ रहा प्रभाव

हथकरघा प्रकल्प के विस्तार में सामाजिक संस्थाओं, कॉरपोरेट समूहों एवं सीएसआर संस्थाओं के साथ सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में जेएसडब्ल्यू सीमेंट के सीएसआर सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में हथकरघा आधारित आजीविका मॉडल को विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण, हथकरघा स्थापना और रोजगार सृजन के माध्यम से ग्रामों को स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध एकल ग्रामोत्थान सहित सामाजिक संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक कौशल और मानवशक्ति को जोड़कर ग्राम स्तर पर स्वावलंबन के मॉडल विकसित करने का प्रयास हो रहा है।

इन साझेदारियों का उद्देश्य केवल हथकरघे उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रशिक्षण से लेकर उत्पादन, डिजाइन, गुणवत्ता, बाजार और कारीगर की आय वृद्धि तक संपूर्ण सहयोग उपलब्ध कराना है। इस प्रकार कारीगर को केवल मजदूर नहीं, बल्कि भविष्य के स्वावलंबी उद्यमी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। यह सहयोगात्मक मॉडल आगे चलकर हथकरघा आधारित ग्रामोदय आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार बन सकता है।

अगले चरण में 5,000 नए लोगों को आजीविका से जोड़ने का लक्ष्य

हथकरघा प्रकल्प अब अपने अगले चरण की ओर बढ़ रहा है। आगामी वर्षों में 5,000 नए ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को आजीविका से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत नए ग्रामीण एवं कारागृह प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना, वर्तमान केंद्रों का विस्तार, घर-घर हथकरघा अभियान का व्यापक विस्तार, कारीगरों को उद्यमी बनाने के लिए डिजाइन, व्यवसाय प्रबंधन एवं विपणन प्रशिक्षण, संकटग्रस्त हथकरघा क्लस्टरों का पुनरुत्थान, डिजाइन से बाजार तक संपूर्ण सहयोग, लुप्तप्राय पारंपरिक बुनाई तकनीकों का दस्तावेजीकरण एवं संरक्षण, तथा सामाजिक संस्थाओं, उद्योग समूहों और सीएसआर संस्थाओं के साथ साझेदारी का विस्तार प्रमुख कार्यक्षेत्र होंगे।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर समाज से आह्वान

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस केवल हथकरघे पर बने वस्त्रों को याद करने का दिन नहीं, बल्कि अपने कारीगर, अपनी कला, अपने गाँव और अपनी स्वदेशी परंपरा से पुनः जुड़ने का अवसर है। हथकरघा उत्पाद का चयन एक कारीगर के श्रम का सम्मान करने, एक ग्रामीण परिवार के स्वावलंबन को समर्थन देने, एक पारंपरिक कला को जीवित रखने और भारत की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम बन सकता है। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से चल रही यह यात्रा इसी व्यापक राष्ट्रहित चिंतन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आह्वान है कि हम स्वदेशी एवं हस्तनिर्मित उत्पादों को अपनाएँ, कारीगरों का सम्मान करें और ग्राम स्वावलंबन की इस यात्रा में सहभागी बनें। हथकरघा अपनाएँ - कारीगर का सम्मान बढ़ाएँ। स्वदेशी अपनाएँ - गाँवों को स्वावलंबी बनाएँ। भारत की परंपरा को बचाएँ - भारत के पुनर्निर्माण में सहभागी बनें।

संपादकीय

जिंदगियां बचाने के लिए

हाल ही में लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े जो आंकड़े पेश किए गए वे विचलित करने वाले हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5.13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1.83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दर्शाता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके। यह सर्वविदित सत्य है कि जब लाखों गाड़ियां बिना बीमे के चलती हैं तो इन दुर्घटनाओं का बोझ हादसे के पीड़ितों और उनके परिजनों पर पड़ता है। जिसके चलते इनमें से कई लोग सड़क दुर्घटनाओं के शारीरिक और आर्थिक प्रभावों से उबरने के लिए संघर्ष करते रहते हैं। दरअसल, हाल ही में कोर्ट ने अपने एक फैसले में एक सड़क दुघर्टना में स्थायी से रूप से विकलांग हुए एक बच्चे को मिलने वाले मुआवजे की रकम को लगभग दुगुना कर दिया था। कोर्ट की संवेदनशील पहल नीति-नियंताओं के लिये आंख खोलने वाली साबित होनी चाहिए। इस दिशा में कोर्ट का सरकार को यह सुझाव कि ईंधन की खरीद को इंश्योरेंस कराने से जोड़ा जाए, एक असरदार तरीका साबित हो सकता है। सही मायने में पेट्रोल पंप असल चेकपॉइंट का काम करते हैं। लोग अपने वाहनों में पेट्रोल व डीजल डलवाने के लिये नियमित रूप से फ्यूल स्टेशनों पर जाते हैं। वाहन डेटाबेस और इंश्योरेंस रिकॉर्ड से जुड़े ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन यानी एएनपीआर कैमरों का प्रस्तावित इस्तेमाल भी प्रशासन में तकनीक की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। यदि इस व्यवस्था को सही ढंग से लागू किया जाए तो यह सिस्टम बिना बीमे वाले तथा बिना पंजीकृत वाहनों की पहचान करके उन पर अंकुश लगा सकता है। जो मैन्युअल जांच और इससे जुड़े भ्रष्टाचार को भी कम कर सकता है। वैसे इस कोशिश की भी अपनी कुछ सीमाएं हैं। तकनीकी व्यवधान, पुराने डेटाबेस और हाल ही में रिन्यू की गई इंश्योरेंस पॉलिसी को अपडेट करने में देरी से भी कानून का पालन करने वाले नागरिकों को परेशानी हो सकती है। इसके लिये जहां नागरिकों को जागरूक करने की जरूरत है, वहीं पेट्रोल पंप ऑपरेटरों के संगठनों को साथ लेना भी बहुत जरूरी है। इस योजना को लागू करने से पहले पायलट प्रोजेक्ट की अच्छी तरह से जांच करने की भी जरूरत होगी। ताकि कानून का पालन करने वाले नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(07 अगस्त - राष्ट्रीय हथकरघा दिवस)

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चकाचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कोरे धागों में जान फूंक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कोई सरकारी रस्म नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आज़ादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को जलाकर अपने देश के हाथ से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था। इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है।

अगर देश की तरक्की की बात करें, तो यह हथकरघा उद्योग आज भी हमारे गाँवों की असली रीढ़ है। कपड़ा मंत्रालय का रिकॉर्ड बताता है कि खेती के बाद सबसे ज्यादा परिवारों का चूल्हा इसी काम से जलता है। इस काम की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें काम करने वाले कुल लोगों में तीन-चौथाई से भी ज़्यादा महिलाएं हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जब आप खादी या हाथ से बुना हुआ कोई भी कपड़ा खरीदते हैं, तो आपकी जेब से निकला पैसा सीधे किसी सुदूर गाँव में बैठी महिला को आत्मनिर्भर बनाता है। आज पूरी दुनिया में भारतीय हथकरघा अपनी पहिचान बना रहा है। हाल के बरसों के सरकारी आंकड़ों को देखें तो हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के विदेशों में बिकने की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भर में लोग ऐसे कपड़ों की मांग कर रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाएँ और हमारा हथकरघा इस मामले में सौ फीसदी खरा है। इसे बनाने में न तो बिजली का बड़ा बिल आता है और न ही कैमिकल का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि अमेरिका, दुबई और यूरोप के बड़े बाज़ारों में बनारसी सिल्क, भागलपुरी चादर, तेलंगाना की इकत या ओडिशा की संबलपुरी साड़ी की जबरदस्त मांग है। लेकिन इस चमक के पीछे बुनकरों का एक दर्द भी समाहित है। आज मशीनों से धड़ाधड़ बनने वाले सस्ते कपड़ों की वजह से हाथ के कारीगरों को सही दाम और पहचान के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। बाजार में मशीनी कपड़ों को असली हथकरघा बताकर बेच दिया जाता है, जिससे बुनकरों का हक मारा जाता है।

इस धोखेबाज़ी को रोकने के लिए सरकार ने असली कपड़ों की पहचान के लिए हैंडलूम मार्क और जीआई टैग जैसी व्यवस्था की है। साथ ही इंडिया हैंडमेड जैसी वेबसाइट्स के जरिए बुनकरों को सीधे ग्राहकों से जोड़ा जा रहा है ताकि बीच के दलाल उनकी कमाई न खा सकें। हालांकि हथकरघा से जुड़े लोगों का फ़ायदा केवल सोशल मीडिया पर वाह - वाह करने से नहीं होगा। असली बदलाव तब आएगा जब हम अपनी सोच बदलेंगे। हमें अपनी शादियों, त्योहारों और रोजमर्रा के पहनावे में इन कपड़ों को जगह देनी होगी। जब हमारी युवा पीढ़ी गर्व से हैंडलूम पहनेगी, तभी यह सदियों पुरानी कला बची रहेगी। हम सभी को संकल्प लेना चाहिए, कि अपनी अलमारी में कम से कम एक जोड़ी कपड़ा हाथ से बुना हुआ ज़रूर रखेंगे। इन धागों को बचाना सिर्फ सरकार का काम नहीं, हम सबकी जिम्मेदारी है।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

थुकदम’ पर शोध खोलेगा जीवन- मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे।

माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे।

इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

विचार मंथन

सरकार और आसंदी तय नहीं कर सकती सांसद क्या बोलें, क्या नहीं

(लेखक- सनत जैन / ईएमएस)

- भड़का विपक्ष, सदन में सेंसरशिप स्वीकार नहीं

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे गुरुवार को राज्यसभा में बुरी तरह से भड़क गए। उन्होंने कहा सत्ताधारी दल और आसंदी यह तय नहीं कर सकती है, सांसद क्या बोलें और क्या नहीं। उन्होंने कहा आसंदी तय नहीं कर सकती है, सांसद को किस तरह से अपनी बात रखनी है, आसंदी तय नहीं कर सकती है, वह जो चाहें वही सदस्य बोलें। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़े गुस्से में अपनी बात कही, उसके बाद सदन स्थगित हो गया। पिछले कुछ वर्षों से सदस्यों के बोलने के साथ ही लोकसभा या राज्यसभा की आसंदी सदस्यों को टोंकने लगती है। बार-बार टोंकने और भाषण के बीच ही सदस्य को रोका जाता है। रिकॉर्ड में नहीं जाएगा, इस तरह की टिप्पणी आसंदी से कई बार आ जाती है। पिछले कुछ वर्षों से सांसदों को सदन में अभिव्यक्ति के विशेष अधिकार होने के बाद भी बोलने से रोका जा रहा है। आसंदी को अधिकार है, सदस्य ने यदि ऐसी कोई बात बोली है, जो असंवैधानिक और असंसदीय है, तो ऐसी बातों को संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया जाता था। अब सांसदों को सदन में बोलने ही नहीं दिया जा रहा है। राज्यसभा उच्च सदन है, अभी तक यह परंपरा रही है, जब भी कोई नया सदस्य पहली बार बोलता है, उसे रोका-टोका नहीं जाता है। सामान्यतः उसके लिए समय भी तय नहीं किया जाता है। यह माना जाता है, सदन में उसका पहला भाषण है। बुधवार को टीएमसी की नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य डॉक्टर मेनिका गुरुस्वामी जब सदन में अपनी बात रख रहीं थीं, उन्हें बार-बार आसंदी से रोका गया, कहा गया, जो वह बोल रही हैं, उसे रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा। वह सुप्रीम कोर्ट में जो न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने और नियुक्ति बिल पर बोल रहीं थीं। 2 मिनट भी उन्हें सदन में बिना व्यवधान के बोलने नहीं दिया गया। वह जब अपनी बात रख रही थी, तभी दूसरे सदस्य को बोलने के लिए आसंदी ने कह दिया। उपसभापति हरिवंश जी आसंदी पर बैठे थे, वह लंबे समय तक एक अखबार के संपादक रह चुके हैं। उन्हें संसद की सारी परंपराओं का ज्ञान है। उसके बाद भी उन्होंने जिस तरह से नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य के पहले भाषण में ही उन्हें बोलने से रोककर 75 वर्ष पुरानी परंपरा को समाप्त किया है, यह चिंता का विषय है। गुरुवार को राज्यसभा सदस्य और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा बोल रहे थे। वह भी सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के पद बढ़ाने के अध्यादेश बिल पर बोल रहे थे। आसंदी ने उन्हें बोलने से कई बार रोका, उन्हें अपनी बात नहीं कहने दी। यह कोई पहली बार नहीं हुआ है, पिछले कुछ वर्षों से लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी से इसी तरह का व्यवहार विपक्षी सांसदों के साथ किया जा रहा है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी सत्ता पक्ष द्वारा रोका गया। परम्परा है सदन के नेता और प्रतिपक्ष के नेता को बोलने से नहीं रोका जाता है। सत्ता पक्ष के सदस्य जो बोलते है। विपक्ष जब उसका जवाब देता है, आसंदी बोलने से रोकती है। यह पक्षपात साफ रूप से कार्यवाही में दिखता है। विपक्ष एक बार आसंदी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी ला चुकी है। इसके बाद भी आसंदी से विपक्षी सांसदों के बोलने के साथ ही हो हल्ला रोक-टोक और तरह-तरह के व्यवधान उत्पन्न कर दिए जाते हैं। विपक्षी सांसद अपना पक्ष संसद के अंदर ना रख पाएं, यदि रख दिया है, तो उसे संसद की कार्यवाही से हटा दिया जाता है। अति सर्वत्र वर्जियेत की कहावत को चरितार्थ करते हुए सत्ता पक्ष और आसंदी द्वारा सदन में नेता प्रतिपक्ष के बोलने पर भी रोक लगा दी जाती है। आम संसद सदस्यों की बात ही क्या है। संविधान ने संसद में सांसदों को विशेषाधिकार प्राप्त है। अब बोलने से पहले प्रमाण प्रस्तुत करने, विषय पर ही बोलने अथवा वह क्या बोले और क्या ना बोले यह तय करने का अधिकार आसंदी के पास नहीं है। पिछले कई वर्षों से विपक्षी दलों के सांसदों को सदन में बोलने नहीं दिया जाता है। आसंदी सत्ता पक्ष को हर तरह का मौका देती है। जब विपक्ष बोलना शुरू करता है, तो उसे बोलने नहीं दिया जाता है। अब विपक्ष आक्रामक मुद्रा में है। पिछले कई वर्षों से सत्ता पक्ष और आसंदी द्वारा विपक्ष के साथ जो व्यवहार किया जा रहा है, वह सीमा पार कर चुका है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आक्रोश के रूप में देखने को मिला है। उन्होंने कह दिया, संसद सदस्यों के बोलने पर कोई सेंसरशिप नहीं लगाई जा सकती है। नेता प्रतिपक्ष का कहना था कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सदन में नहीं आ रहे हैं। उन्हें सदन में बयान देने चाहिए। विपक्ष को खंडित नहीं कर पा रहा है, जिसके कारण विपक्ष अब आर पार की लड़ाई लड़ने के मूड में है। सत्ता पक्ष के लिए प्रतिदिन कोई ना कोई नई चुनौती सामने आ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोना 557 रुपए बढ़कर 149050, चांदी 227625 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के भाव में बुधवार को जबरदस्त उछाल के बाद गुरुवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 557 रुपये चढ़कर 149050 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर कारोबार कर रहा है, जो जून-जुलाई के बाद का उच्चतम स्तर है। चांदी की कीमतों में भी मामूली बढ़त दर्ज की गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं को मजबूती मिली है, जिससे घरेलू बाजार पर सकारात्मक असर पड़ रहा है। एमसीएक्स पर, सोना 557 रुपये बढ़कर 149050 पर पहुंच गया है, जो जून-जुलाई के बाद का सबसे उच्च स्तर है। चांदी भी हल्की बढ़त के साथ 227625 पर कारोबार कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार, कॉमैक्स पर सोने का भाव 0.41 फीसदी की बढ़त के साथ 4321 डॉलर प्रति औंस पर है, जबकि चांदी 0.08 फीसदी उछलकर 62.325 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि, अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने और ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदों ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की ओर मोड़ा है। इसके अलावा, होर्मुज को फिर से खोलने पर बातचीत में प्रगति से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे महंगाई का दबाव कम होने की उम्मीद है। यह स्थिति ब्याज दरों पर दबाव घटा सकती है, जिससे सोने और चांदी जैसे कीमती मेटल्स को फायदा मिल रहा है। अगर आप आज सोने के गहने खरीदने का मन बना रहे हैं, तो दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 13,740 रुपये प्रति ग्राम है। एक अनुमान के अनुसार, 5 ग्राम की झुमकी पर 12 फीसदी मेकिंग चार्ज और 3 जीएसटी सहित आपको कुल लगभग 79,252 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, 10 ग्राम 22 कैरेट सोने का गहना खरीदने पर कुल कीमत 1,58,505 रुपये होगी। मुंबई में, 22 कैरेट सोना 13,725 रुपये प्रति ग्राम मिल रहा है, जहां 5 ग्राम के गहने के लिए लगभग 79,166 रुपये चुकाने होंगे, जिसमें मेकिंग चार्ज और जीएसटी शामिल है। चांदी के भाव की बात करें तो दिल्ली और मुंबई दोनों में यह 240 रुपये प्रति ग्राम (यानी 2,40,000 रुपये प्रति किलो) पर बिक रही है। यदि आप 10 ग्राम चांदी का आभूषण खरीदते हैं, तो मेकिंग चार्ज और जीएसटी मिलाकर आपको लगभग 2,769 रुपये चुकाने होंगे। ध्यान रहे, मेकिंग चार्ज अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए ये कीमतें संभावित हैं।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 373, निफ्टी 11अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदों से भी बाजार में निवेशक लौटे हैं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में करीब 373.76 अंक बढ़कर 78,954.76 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11.35 अंक ऊपर आकर 24,636 के स्तर पर पहुंचा। आज कुल मिलाकर करीब 2,023 शेयरों में बढ़त रही जबकि 2,058 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 200 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो आज ऑटो, मेटल, रियल्टी और मीडिया शेयरों में भारी बिकवाली रही।

निफ्टी में आज रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रानिक्स, इटरनल और टाइटन के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाट स्टाली, टीसीएस , जेएस डब्ल्यू व बजाज ऑटो के शेयरों में गिरावट रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिला-जुला कारोबार रहा। ब्रॉडर बाजार की बात करें तो उसमें मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप में गिरावट रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप में बढ़त रही।

इससे साफ है कि बाजार में निवेशकों का रुझान एक जैसा नहीं रहा ।सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर उछले। निफ्टी मीडिया में गिरावट दर्ज की गयी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 9 पैसे गिरकर 95.22 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुलकर 95.17 के स्तर तक फिसल गई। कच्चे तेल के दामों में नरमी के बावजूद भू-राजनीतिक जोखिम और डॉलर सूचकांक में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.13 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.17 प्रति डॉलर तक फिसल गया, जो पिछले बंद भाव की तुलना में 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.13 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत बढ़कर 99.72 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

शिपरॉकेट ने आईपीओ के लिए 92-97 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया

नई दिल्ली ।

लॉजिस्टिक मंच शिपरॉकेट लिमिटेड ने अपने 1,617.5 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए गुरुवार को 92–97 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। यह निर्गम 12 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने सार्वजनिक सूचना में कहा कि आईपीओ 14 अगस्त को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 11 अगस्त को एक दिन के लिए खुलेगी। आईपीओ में 885.50 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 732 करोड़ रुपये तक के शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। शिपरॉकेट ने दिसंबर, 2025 में दाखिल अपने मसौदा दस्तावेज में प्रस्तावित 2,342.3 करोड़ रुपये के आईपीओ की तुलना में निर्गम का आकार घटा दिया है। निर्गम का 75 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर–संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) और शेष 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

जुलाई 2026 में 4.5 फीसदी खुदरा महंगाई रहने का अनुमान: रिपोर्ट

खाद्य कीमतें बन सकती हैं चुनौती

नई दिल्ली ।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में खुदरा महंगाई दर जुलाई 2026 में 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, खाद्य पदार्थों की अधिक कीमतों के कारण इसके ऊपर जाने का जोखिम बना हुआ है, जो महंगाई दर को बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्याज, खाने का तेल, चावल और दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं की ऊंची कीमतें महंगाई का व्यापक असर दिखा रही हैं, हालांकि मुख्य सब्जियों की बेहतर आवक और सामान्य मानसून से कुछ राहत मिली है। बैंक का अनुमान है कि मुख्य महंगाई (जिसमें भोजन और ईंधन शामिल नहीं है) 4-4.1 प्रतिशत पर सीमित रहने की उम्मीद है, जिसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी से सहारा मिलेगा। हालांकि, भविष्य में बढ़ती इनपुट लागत महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एसेंशियल कमोडिटीज इंडेक्स (बीओबी ईसीआई) के अनुसार, जुलाई 2026 में यह सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़ा, जो इस पूरी श्रृंखला में सबसे तेज वृद्धि थी, और अगस्त 2026 के शुरुआती पांच दिनों में यह बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गया। सकारात्मक पहलू यह है कि मानसून की प्रगति अनुकूल रही है, जिसमें 63 प्रतिशत राज्यों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। इसके साथ ही, 31 जुलाई 2026 तक प्रमुख खरीफ फसलों का बुवाई क्षेत्र पिछले साल की तुलना में अधिक रहा है, जिससे भविष्य में खाद्य आपूर्ति बेहतर होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य तेलों सहित खाद्य कीमतों में भी नरमी आई है, जो महंगाई पर दबाव कम करने में सहायक हो सकती है।

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स का आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली ।

डेयरी कंपनी मिल्की मिस्ट डेयरी फूड्स लिमिटेड ने अपने 1,553 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा तय कर दिया है। यह निर्गम 11 अगस्त को खुलेगा और 13 अगस्त को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 133 रुपये से 140 रुपये का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। यह किसी भी भारतीय डेयरी कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इस निर्गम में 1,428 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी होंगे, जबकि 125 करोड़ रुपये तक के शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 10 अगस्त को एक दिन के लिए खुलेगी। निर्धारित मूल्य दायरे के आधार पर, आईपीओ के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 10,310 करोड़ रुपये से 10,778 करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान है। आईपीओ का 50 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों और 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है।

एयरटेल ने टैरिफ संरचना में बदलाव की मांग की

नई दिल्ली ।

भारती एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार बाजार में टैरिफ की मौजूदा मूल्य संरचना में मूलभूत बदलाव की मांग की है। कंपनी के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने कहा कि लंबी अवधि में कंपनियों के वित्तीय रूप से टिकाऊ रहने और औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए, केवल टैरिफ बढ़ाने के बजाय अधिक डेटा उपयोग करने वाले ग्राहकों से ज्यादा शुल्क लेना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यह बयान उन्होंने तिमाही आय घोषणा के दौरान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा असीमित डेटा मॉडल, जो बहुत कम कीमत पर उपलब्ध है, प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) को सीमित करता है, जो उद्योग के लिए टिकाऊ नहीं है। उनका मानना है कि एक तर्कसंगत मूल्य संरचना, जहां अधिक खपत के लिए अधिक भुगतान किया जाए, भारत की बढ़ती समृद्धि के साथ अगले 5-7 वर्षों में एआरपीयू में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी दिशा होगी और प्रवेश स्तर की कीमतों को अनावश्यक रूप से बढ़ाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मौजूदा प्रणाली बनी रहती है, तो कंपनियों को वित्तीय मजबूती और 5जी नेटवर्क के विशाल निवेश को बनाए रखने के लिए टैरिफ बढ़ाने ही पड़ेंगे।

विश्लेषकों का अनुमान है कि इस वर्ष 10-15 फीसदी की टैरिफ वृद्धि आवश्यक हो सकती है। एयरटेल के एमडी और सीईओ शाश्वत शर्मा ने भी उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए डेटा खपत के आधार पर शुल्क लेने की प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। कंपनी अपने डेटा सेंटर कारोबार नेक्सट्रा के विस्तार और अफ्रीकी बाजारों में भी अवसरों की तलाश कर रही है, जिसके लिए पर्याप्त पूंजीगत व्यय की आवश्यकता होगी।

एलआईसी में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर सरकार ने जुटाए 31,522 करोड़

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 31,522 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) बन गया है। इसे अत्यधिक गोपनीयता के साथ अंजाम दिया गया, जिससे बाजार को अंतिम समय तक इसकी भनक नहीं लगी। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ट्रेडर्स को पहले से पोजीशन बनाने और शेयर मूल्य पर अनावश्यक दबाव डालने से रोकना था।

ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, डील से जुड़े निवेश बैंकों को भी अलग-अलग समय पर सूचना दी गई; कुछ को तो स्टॉक एक्सचेंज में घोषणा से ठीक पहले ही जानकारी मिली।

कोर टीम के अलावा, बाकी सलाहकारों को बाजार बंद होने के बाद ही शामिल किया गया।

सरकार ने बाजार की उम्मीदों के विपरीत एलआईसी के तिमाही नतीजों से पहले ही ओएफएस लॉन्च किया। अधिकारियों का मानना था कि यह कदम शेयर की कीमत स्थिर रखने और निवेशकों की रुचि बनाए रखने में सहायक होगा।

भारत का घातक काल ड्रोन वैश्विक बाजार में दस्तक देने को तैयार

स्वदेशी तकनीक से लैस यह मानवरहित विमान 1000 किमी तक मार करने में सक्षम

नई दिल्ली ।

भारत द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी का अचूक मारक क्षमता वाला ड्रोन काल अब अंतरराष्ट्रीय रक्षा बाजार में अपनी पहचान बनाने को तैयार है। नोएडा स्थित रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी आईजी डिफेंस द्वारा निर्मित यह मानव रहित विमान (यूएवी) खाड़ी देशों सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रों का ध्यान आकर्षित कर रहा है, जो इसे अपनी सैन्य जरूरतों के लिए खरीदने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। केंद्र सरकार एवं निर्यात प्रक्रियाओं से आवश्यक मंजूरी मिलते ही काल ड्रोन को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतारा जाएगा। यह भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लंबी दूरी का ड्रोन है, जिसे लंबी दूरी के सटीक-स्ट्राइक मिशन और दूरदराज के सामरिक लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 1,000 किलोमीटर की प्रभावशाली परिचालन रेंज और 7 से 8 घंटे तक लगातार उड़ान भरने या काम करने की क्षमता वाला काल ड्रोन 50 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसकी यह क्षमता इसे लंबी दूरी के मिशन के लिए एक शक्तिशाली और बहुपयोगी उपकरण बनाती है। आईजी डिफेंस कंपनी ने बताया कि कई खाड़ी देशों ने विशेष रूप से अपनी सामरिक और युद्धक्षेत्र की आवश्यकताओं के लिए इस ड्रोन को खरीदने में रुचि दिखाई है। वर्तमान में अमेरिका-ईरान तनाव से उपजे संकट के कारण क्षेत्र में लंबी दूरी तक मार करने वाले किफायती हथियारों और अन्य सैन्य साजो-सामान की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसने काल जैसे ड्रोनों के लिए एक अनुकूल बाजार तैयार किया है। आईजी डिफेंस के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने कहा` कि भविष्य के युद्ध स्वायत्त और लंबी दूरी के सटीक हमला करने वाले हथियारों पर ही आधारित होंगे। ड्रोन काल भारत की उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मित्र राष्ट्रों की आधुनिक रक्षा क्षमताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी विश्वसनीय, किफायती और उपयोग के लिए तैयार मानवरहित प्लेटफार्मों के साथ खड़ी है, जो सभी आवश्यक सरकारी अनुमोदनों और निर्यात प्रक्रियाओं का पालन करेगी। काल मौजूदा समय के युद्धों में इस्तेमाल होने वाली नई प्रौद्योगिकियों, जैसे विस्तारित रेंज और सटीक हमले वाली कम लागत की प्रणाली का एक बेहतरीन उदाहरण है।

रसोई का बजट बिगड़ा, तेल-दाल से दूध-चीनी तक सब महंगा

पांच माह में 99 फीसदी राशन महंगा

नई दिल्ली ।

फरवरी 2026 में शुरू हुए ईरान-अमेरिका युद्ध ने सिर्फ वैश्विक शांति ही भंग नहीं की, बल्कि भारतीय रसोई के बजट को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले पांच महीनों से देश का आम आदमी कमरतोड़ महंगाई की मार झेल रहा है, और अब उपभोक्ता मामले विभाग की ताजा रिपोर्ट ने चिंताएं और बढ़ा दी हैं। साल 2026 की शानदार शुरुआत के बाद, देश का दूसरा महीना आम जनता के लिए बड़ी मुसीबत का सबब बन गया था, और फिलहाल राहत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच महीनों में राशन की लगभग 99 प्रतिशत वस्तुओं की कीमतों में भारी इजाफा दर्ज किया गया है। खाने-पीने की मुख्य 36 चीजों में से 35 के दाम बढ़ चुके हैं, जिनमें खाने का तेल और दालें सबसे तेजी से महंगी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि दालों के दामों में उछाल का एक बड़ा कारण इस बार का कमजोर मानसून भी है। जुलाई के अंत तक खरीफ दालों की फसल पिछले साल के मुकाबले लगभग 7 प्रतिशत कम रही है, जिससे देश में दालों का उत्पादन घटा है और आयात पर निर्भरता बढ़ी है।

आम जनता की मुसीबतें यहीं खत्म होती नहीं दिख रहीं हैं। सावन के बाद राखी, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा और दीवाली जैसे बड़े त्योहार आने वाले हैं। त्योहारों के दौरान बाजार में खाने-पीने की चीजों की मांग काफी बढ़ जाती है। बाजार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि वैश्विक स्तर पर ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण बने हालात ऐसे ही बने रहे, तो आने वाले त्योहारी सीजन में महंगाई का ग्राफऔर भी ऊपर जाएगा, जिससे आम आदमी का बजट पूरी तरह चरमरा सकता है।

होर्मुज समझौते से चढ़ा कच्चे तेल का भाव, क्रूड में आई तेजी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को गुरुवार को बड़ी राहत मिली। लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद, ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को लेकर हुए एक अस्थायी समझौते ने कीमतों को सहारा दिया। ताजा आंकड़ों के अनुसार ब्रेंट क्रूड (अक्टूबर वायदा) 0.54 फीसदी की बढ़त के साथ 79.88 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 80.34 डॉलर तक चढ़ गया था। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड (सितंबर वायदा) भी 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 75.61 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसका भाव 74.64 डॉलर से 76.02 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहा। होर्मुज समझौते के तहत, ईरान और ओमान ने इस अहम जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए अगले दो से चार महीने के लिए एक अस्थायी शिपिंग मार्ग पर सहमति जताई है। हालांकि, ईरान ने स्पष्ट किया है कि इसका मतलब होर्मुज का पूरी तरह खुलना नहीं है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक बड़े समझौते की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है, लेकिन बाजार अभी भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं है और स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। एक तरफ जहां होर्मुज को लेकर राहत की खबर है, वहीं दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव अब भी बरकरार है।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में सऊदी अरब के एक तेल टैंकर पर हमला करने का दावा किया है और लाल सागर से गुजरने वाले अन्य जहाजों को भी चेतावनी दी है। यही वजह है कि बाजार को अभी भी आशंका है कि अगर हालात बिगड़ते हैं तो तेल आपूर्ति और शिपिंग पर बुरा असर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में निवेशक इस समझौते की अवधि, पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति ओपेक प्लस के फैसलों और वैश्विक तेल मांग पर बारीकी से नजर रखेंगे, जो कच्चे तेल की अगली चाल को निर्धारित करेंगे।

एलन मस्क ने एक दिन में गंवाए 89.6 अरब डॉलर, अंबानी की कुल संपत्ति से भी ज्यादा

टेस्ला और स्पेसएक्स के शेयर लुढ़के, टॉप 10 में से 8 अरबपतियों की संपत्ति घटी

वाशिंगटन।

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की नेटवर्थ में हाल ही में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है। स्पेसएक्स के शेयरों में 13.61 फीसदी और टेस्ला के शेयरों में 1.77 फीसदी की भारी गिरावट के चलते मस्क की संपत्ति में 89.6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। यह रकम रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ (85.7 अरब डॉलर) से भी अधिक है। हालांकि, इस भारी गिरावट के बावजूद, साल 2026 की शुरुआत से अब तक मस्क की संपत्ति में कुल 68.1 अरब डॉलर की बढ़ोतरी बनी हुई है। वैश्विक स्तर पर सिर्फ मस्क ही नहीं बल्कि दुनिया के शीर्ष 10 अरबपतियों में से 8 की नेटवर्थ में गिरावट आई। गूगल के कोफाउंडर लैरी पेज को 11.5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ, जिनकी नेटवर्थ 309 अरब डॉलर रह गई।

सर्गेई ब्रिन को भी 10.5 अरब डॉलर की चपत लगी, जिससे वे 288 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए। भारतीय अरबपतियों में गौतम अडानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ वैश्विक सूची में 17वें स्थान पर हैं। बुधवार को उनकी संपत्ति में 27.2 लाख डॉलर का इजाफा हुआ और इस वर्ष अब तक वे 28.1 अरब डॉलर कमा चुके हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ बुधवार को 51.4 करोड़ डॉलर घटी है और साल 2026 में अब तक उनकी कुल संपत्ति में 22 अरब डॉलर की कमी आई है।

गावस्कर ने चुनी 2027 विश्वकप के लिए संभावित टीम! आकाश-अश्विन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 में अभी करीब 14 महीने का समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 2023 विश्व कप में उपविजेता रहने वाली टीम इंडिया 2027 में खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। मौजूदा टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने 2027 विश्व कप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी है। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इस टीम का विश्लेषण करते हुए इसे काफी संतुलित बताया।

सुनील गावस्कर की संभावित भारत टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक, गावस्कर ने शीर्ष क्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। उनकी टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को जगह मिली है> विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल टॉप-5 में हैं। यह लगभग वही बल्लेबाजी क्रम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में था। ईशान किशन इस समय लगातार रन बना रहे हैं और इस प्रारूप के लिए तैयार नजर आते हैं।'

दूसरी ओर, रविचंद्रन अश्विन ने अपनी संभावित विश्व कप टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल करने की वकालत की है। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में भुवनेश्वर उपयोगी साबित हो सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार मेरी टीम में जरूर होंगे। मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें घरेलू क्रिकेट, विजय हजारे ट्रॉफी समेत सभी टूर्नामेंट खेलने के लिए कहूंगा, ताकि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों के लिए वह पूरी तरह तैयार रहें। मुझे लगता है कि वहां हमें उनकी जरूरत पड़ेगी।'

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी वनडे रैंकिंग शुभमन टॉप पर काबिज

नई दिल्ली। वनडे बल्लेबाजों की टॉप 10 लिस्ट में कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय हैं। शुभमन टॉप पर काबिज हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दूसरे नंबर पर हैं। गिल ने पिछले हफ्ते मिचेल से बादशाहत छीनी थी। भारत ने आखिरी वनडे 19 जुलाई को

इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे पायदान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें और पाकिस्तान के बाबर आजम छठे पायदान पर हैं। नीदलैंड और नेपाल के तीन-तीन खिलाड़ियों को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। मेंस वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। नीदरलैंड टीम जारी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कॉम्पिटिशन में अच्छी फॉर्म में है। हाल ही में उसने यूट्रेक्ट में नेपाल को 57 रन से शिकस्त दी। नीदरलैंड की नजर अब मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर इवेंट में एंट्री करने पर है। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली, जिससे नीदरलैंड ने लीग 2 टेबल में टॉप चार में अपनी जगह पक्की कर ली। एडवर्ड्स वनडे बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में 4 पायदान चढ़कर 34वें नंबर पर आ गए हैं। वनडे बॉलर रैंकिंग में नीदरलैंड के स्पिनर वैन डेर मर्व 11 स्थान की छलांग लगाई। वह अब संयुक्त रूप से 63वें स्थान पर आ गए हैं। लोगान वैन बीक तीन स्थान ऊपर 76वें पर पहुंच गए। उन्होंने मैच में दो विकेट चटकाए थे। नेपाल के भी तीन खिलाड़ियों का फायदा हुआ है। ललित राजबंशी (एक स्थान ऊपर 45वें पर) और करण केसी (सात स्थान ऊपर 83वें पर) वनडे बॉलर्स की अपडेटेड लिस्ट में आगे बढ़े हैं। नेपाल के आसिफ शेख दो स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की लिस्ट में 76वें नंबर पर आ गए।

शाकिब के घर पर हमला पत्थर-पेट्रोल बम फेंके

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। यह दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। गनीमत यह रही कि हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब ने सांसद रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 लीग में खेलना नहीं छोड़ा। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी।

मेरा रिकॉर्ड शायद वैभव तोड़ेगा

बटलर के बनाया टी-20 में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

सूर्यवंशी को लेकर जोस ने की भविष्यवाणी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के बाद बटलर ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में बटलर ने महज 20 गेंदों में नाबाद 51 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 250 का रहा। इसी पारी के दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने कुल रन 14,833 तक पहुंचा दिए।

बटलर ने इस मामले में किरोन पोलार्ड (14,803 रन) को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले लंबे समय तक यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (14,562 रन) के नाम था। बटलर ने 522 टी20 मैचों में नौ शतक और 105 अर्धशतकों की मदद से यह उपलब्धि हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी का लिया नाम

रिकॉर्ड अपने नाम करने के बाद बटलर ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि भविष्य में कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा। उन्होंने भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए बड़ा बयान दिया। बटलर ने कहा, 'यह सोचकर बहुत अच्छा लगता है कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन मेरे नाम हैं। एक दिन कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा और शायद उसका नाम वैभव सूर्यवंशी होगा। लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए गर्व का पल है।'

खराब फॉर्म से वापसी पर भी बोले बटलर

बटलर ने माना कि कुछ महीने पहले उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट बहुत जल्दी बदल जाता है। कुछ महीने पहले मैं अपनी फॉर्म से जूझ रहा था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुझे लग रहा है कि मैं अपने करियर की सबसे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। आपके पास केवल दो विकल्प होते हैं- या तो हार मान लें या फिर ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की कोशिश करें। मैंने दूसरा रास्ता चुना और उसी पर ध्यान केंद्रित किया।'

मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने मैट शॉर्ट के 71 और फिल सॉल्ट के 48 रन की बदौलत 100 गेंदों में चार विकेट पर 155 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जबकि पॉल वाल्टर ने 18 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली। बटलर की नाबाद 51 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

कोच गंभीर की खिलाड़ियों को नसीहत

मानसिक और शारीरिक रूप से सभी तैयार रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरुआत सात अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।'

गंभीर ने सारांश-नबी का किया स्वागत

गंभीर ने नए खिलाड़ियों, ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का टेस्ट सेटअप में आधिकारिक तौर पर स्वागत किया। इसके साथ ही हेड कोच ने नए नियुक्त फील्डिंग कोच, सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। गंभीर वीडियो में कहते हैं, 'दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारे साथ कुछ नए लोग आए हैं। सबसे पहले, सारांश, बधाई हो, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। जब भी आपको मौका मिले, अपने परिवार और देश को गर्व महसूस कराना सुनिश्चित करें। दूसरी बात, मैं आकिब को बधाई देना चाहता हूं, आपका पिछला सीजन शानदार रहा था, और आपने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। एक बार फिर बधाई।'

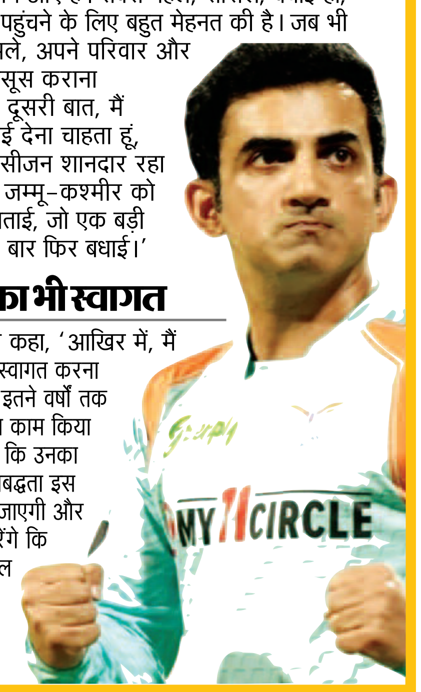

सुभादीप का भी स्वागत

हेड कोच ने आगे कहा, 'आखिर में, मैं सुभादीप का भी स्वागत करना चाहता हूं। उन्होंने इतने वर्षों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे यकीन है कि उनका जुनून, उनकी प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनका एनर्जी लेवल सभी को टारगेट हासिल करने में मदद करे।'

पहलवान दीपांशु डोप में फंसे नाडा ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय कुश्ती टीम के अभियान को झटका लगा है। लखनऊ में एशियाई खेलों का ट्रायल जीतकर 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन टीम में जगह बनाने वाले पहलवान दीपांशु डोप में

फंस गए हैं। उन पर नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

खास बात यह है कि दीपांशु दूसरी बार डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले वह गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में डोप के मामले में फंसे थे।

डोप में फंसने के बाद दीपांशु को राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। वह हंगरी में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भी खेलने जा रहे थे। उनका वीजा भी लग गया था। उसी समय उनके डोप सैंपल की रिपोर्ट आई। उन्होंने उस दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध लगा था। वर्ष 2025 में प्रतिबंध खत्म करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए एशियाई खेलों के लिए चयनित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी।दीपांशु को एशियाई खेलों में 130 किलो भार वर्ग का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। दूसरी बार डोप में फंसने के कारण उन पर अब स्थायी प्रतिबंध लग सकता है। नाडा ने उन्हें आरोप पत्र भेज दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह 130 किलो भार वर्ग में सोतक को शामिल कर लिया है।

विदेशी धरती पर तीन साल बाद टेस्ट जीता पाकिस्तान

टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में ये आया बदलाव

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	52	72.22
4	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	श्रीलंका	4	1	1	2	20	41.67
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	38	24.36
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	16	22.22
9	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	30	20.83

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आठ विकेट की जीत दर्ज कर दोहरा फायदा हासिल किया। एक ओर टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में एक स्थान की छलांग लगाई, वहीं दूसरी ओर विदेशी सरजमीं पर तीन साल से चली आ रही जीत की तलाश भी खत्म कर दी। बाबर आजम की कप्तानी में मिली यह जीत पाकिस्तान के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित हुई।

दूसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान अंकतालिका में नौवें और अंतिम स्थान पर था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद टीम अब आठवें स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान का जीत प्रतिशत बढ़कर 22.22 हो गया है, जबकि वेस्टइंडीज एक स्थान नीचे खिसककर नौवें नंबर पर पहुंच गया।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 344 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में कैरेबियाई बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 117 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की जीत में स्पिनरों अली उस्मान और साजिद खान की अहम भूमिका रही। दोनों ने चार-चार विकेट लेकर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को ध्वस्त कर दिया।

75 रन का लक्ष्य आसानी से किया हासिल

जीत के लिए 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमाम-उल-हक जल्दी आउट हो गए, जबकि अजान अवैस भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाज 24-24 रन बनाकर नाबाद लौटे और पाकिस्तान ने केवल दो विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था।

बीडब्ल्यूएफ चैंपियनशिपः आयुष की पहले ही दौर में मौजूदा चैंपियन शी यूकी से भिड़ंत, सिंधू-लक्ष्य को आसान शुरुआत

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के ड्रॉ में भारतीय खिलाड़ियों को मिला-जुला मुकाबला मिला है। एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और चीन के स्टार शी यूकी का सामना करना होगा। वहीं, पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन को शुरुआती दौर में अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं। 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत 17 साल बाद कर रहा है।

पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की विश्व नंबर 141 सोफिया नोबेल के खिलाफ करेंगी। सिंधू विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। ड्रॉ के अनुसार सिंधू पदक दौर से पहले दुनिया की नंबर एक एन से यंग (दक्षिण कोरिया) और मौजूदा विश्व

चैंपियन अकाने यामागुची (जापान) से भिड़ने से बच गई हैं। हालांकि, प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी से हो सकता है, जबकि क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीय पुत्री कुसुमा वारदानी चुनौती बन सकती हैं। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कोलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन से भिड़ेंगे। अगर वह आगे बढ़ते हैं तो प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न से संभावित मुकाबला हो सकता है। भारतीय खिलाड़ियों में सबसे कठिन ड्रॉ आयुष शेट्टी को मिला है। उनका पहले ही मैच में चीन के शीर्ष खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी से सामना होगा। आयुष अब तक शी यूकी के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुके हैं, लेकिन हालिया मुकाबलों में उन्होंने चीनी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

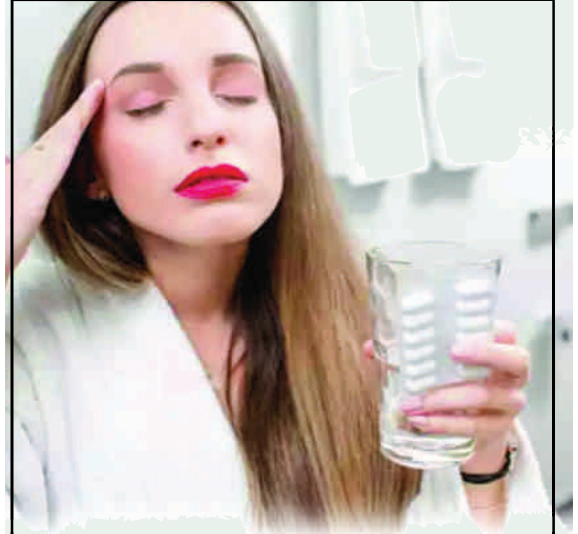

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ट के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

पुंछ में एलओसी के पास हुआ लैंडमाइन विस्फोट, सेना के दो जवान घायल

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के समीप बुधवार शाम लैंडमाइन विस्फोट में सेना के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, मेंढर सेक्टर के कांगा गली क्षेत्र में सेना की गश्ती टीम को एक लैंडमाइन दिखाई दी थी, जिसके बाद उसे निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक विशेषज्ञों को बुलाया गया। डिफ्यूज करने की प्रक्रिया के दौरान अचानक विस्फोट हो गया, जिससे दो सैनिक घायल हो गए। दोनों को तुरंत सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और तलाशी अभियान जारी है।

15 अगस्त से शुरू होगी विदेशी संपत्ति घोषणा योजना

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आने वाले समय में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस बीच गुरुग्राम पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर गुरुवार को सभी कॉर्पोरेट दफ्तरों और निजी प्रतिष्ठानों से अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फॉम होम की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। भारी बारिश के कारण प्रमुख सड़कों और चौराहों पर जलभराव और गंभीर यातायात जाम की आशंका है, जिससे निपटने और आपातकालीन सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करना बेहद जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुग्राम पुलिस ने एक्स पर लिखा कि अनावश्यक वाहनों की आवाजाही कम होने से यातायात सुचारू रहेगा और एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व अन्य आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। बता दें दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। ऑफिस आवर्स के दौरान कई इलाकों में तेज बारिश देखने को मिली है। सड़कों पर जलभराव के कारण ट्रैफिक की रफ्तार थम गई। जाम के कारण दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम एजेंसी के मुताबिक ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। 7 से 9 अगस्त के बीच मौसम की सबसे ज्यादा सक्रियता ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ की सीमा से जुड़े इलाकों में हो सकती है।

मिड-डे मील के नाम बच्चों को पानी जैसी दाल और जली रोटियां दी जा रही थीं

सीतापुर (एजेंसी)। प्राथमिक विद्यालय छंगापुर में मिड-डे मील के नाम पर मासूम बच्चों की सेहत से खिलवाड़ का मामला सामने आया। स्कूल में बच्चों को पानी जैसी पतली सब्जी और जली हुई रोटियां परोसी जा रही थीं। इसका वीडियो इंटरनेट पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कार्रवाई की है। स्कूल की प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया गया है, जबकि दोषी रसोइया की सेवा समाप्त कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को मौके पर जाकर जांच करने और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बुधवार को बीएसए छंगापुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंचे और वहां मौजूद विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के बयान दर्ज किए। बताया जा रहा है कि जांच में एमडीएम की गुणवत्ता को लेकर भारी लापरवाही की पुष्टि हुई। ग्रामीणों और बच्चों ने बताया कि स्कूल में अक्सर खराब गुणवत्ता की दाल-सब्जी बनती थी और बच्चों को तय मात्रा में दूध भी नहीं दिया जाता था। जांच रिपोर्ट के आधार पर बीएसए ने प्रधानाध्यापक कल्पना वर्मा को निलंबित कर दिया और रसोइया अनीता को बर्खास्त कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक लापरवाही की गाज केवल स्कूल स्टाफ तक ही सीमित नहीं रही। पर्यवेक्षण में शिथिलता बरतने के आरोप में खंड शिक्षा अधिकारी उदयमणि पटेल को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, जबकि एमडीएम के जिला समन्वयक बृज मोहन सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच बीईओ पहला पुष्पराज सिंह को सौंपी गई है, जिन्हें एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी।

गुरुग्राम में भारी बारीश का अलर्ट, कर्मचारियों को वर्क फॉम होम करने की सलाह

गुरुग्राम(एजेंसी)। गुरुग्राम में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आने वाले समय में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस बीच गुरुग्राम पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर गुरुवार को सभी कॉर्पोरेट दफ्तरों और निजी प्रतिष्ठानों से अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फॉम होम की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। भारी बारिश के कारण प्रमुख सड़कों और चौराहों पर जलभराव और गंभीर यातायात जाम की आशंका है, जिससे निपटने और आपातकालीन सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करना बेहद जरूरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुग्राम पुलिस ने एक्स पर लिखा कि अनावश्यक वाहनों की आवाजाही कम होने से यातायात सुचारू रहेगा और एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व अन्य आपातकालीन सेवाओं को निर्बाध रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी। बता दें दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। ऑफिस आवर्स के दौरान कई इलाकों में तेज बारिश देखने को मिली है। सड़कों पर जलभराव के कारण ट्रैफिक की रफ्तार थम गई। जाम के कारण दफ्तर जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम एजेंसी के मुताबिक ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की संभावना है। 7 से 9 अगस्त के बीच मौसम की सबसे ज्यादा सक्रियता ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ की सीमा से जुड़े इलाकों में हो सकती है।

अतीक अहमद के छोटे बेटे की सड़क हादसे में मौत, तीन गंभीर रुप से घायल

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी के बाहुबली और माफिया अतीक अहमद के छोटे बेटे अबान अहमद की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अतीक का छोटा बेटा अपने दोस्तों के साथ कार में सवार होकर जेल में बंद अपने बड़े भाई से मिलकर लौट रहा था। झांसी के पूंछ थाना क्षेत्र में हाईवे पर कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। कार में कुल पांच लोग थे बताया जा रहा है।

ई-20 पेट्रोल पर केंद्र कांग्रेस के निशाने पर, जल संकट और खाद्य सुरक्षा की अनदेखी का आरोप

-जयराम रमेश बोले- पर्यावरण संरक्षण नहीं, जल्दबाजी में लागू की जा रही है ई-20 नीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार की ई-20 (20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल) नीति को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि इसे जल्दबाजी में पूरे देश में लागू किया जा रहा है, जबकि इसके जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों की समुचित समीक्षा नहीं की गई है। पार्टी ने दावा किया कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के नाम पर ऐसी नीति को बढ़ावा दे रही है, जिसके दूरगामी दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि किसी भी वैकल्पिक ईंधन की पर्यावरणीय उपयोगिता का आंकलन केवल कार्बन उत्सर्जन के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि उसके उत्पादन में लगने वाले प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर जल और कृषि भूमि पर पड़ने वाले प्रभावों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत में एथनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ना, धान और मक्का जैसी अधिक पानी की खपत वाली फसलों से किया जाता है, जबकि कई अन्य देशों में कृषि अवशेषों और जैविक अपशिष्ट से एथनॉल तैयार किया जाता है। रमेश के अनुसार, गन्ना और धान देश के कुल सिंचाई जल का लगभग 70 प्रतिशत उपयोग करते हैं। उन्होंने दावा किया कि एक लीटर एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने से लगभग 3,630 लीटर, चावल से 10,790 लीटर और मक्के से करीब 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसे समय में, जब देश के अनेक हिस्सों में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है, एथनॉल उत्पादन के लिए जल-गहन फसलों पर निर्भरता चिंता का विषय है। उन्होंने याद दिलाया कि नीति आयोग के वर्ष 2021 के एथनॉल संबंधी मार्गदर्शी दस्तावेज में अधिक टिकाऊ कच्चे माल के उपयोग की आवश्यकता स्वीकार की गई थी।

रमेश ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद केंद्र सरकार एथनॉल उत्पादन के लिए चावल के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि एथनॉल इकाइयों को औसत खरीद मूल्य से लगभग 40 प्रतिशत कम कीमत पर चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि वास्तविक पर्यावरण हितैषी ईंधन नीति वही होगी, जो ईंधन उत्पादन के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव, जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले असर का संतुलित आकलन करे। पार्टी ने आरोप लगाया कि ई-20 को बढ़ावा देने के पीछे पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि अन्य प्राथमिकताएं काम कर रही हैं। वहीं, इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आगामी विधानसभा में कांग्रेस ने मैदान में उतारा तो सीएम मान के खिलाफ लड़ूंगा चुनाव : वड़िंग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि अगर वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ते हैं तो वह राज्य के सीएम भगवंत मान के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहेंगे। वड़िंग ने फरीदकोट में एक कार्यक्रम में पार्टी के एक नेता के उस सुझाव को खारिज कर दिया कि उन्हें शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अकाली नेता पहले ही ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लुधियाना से सांसद वड़िंग ने कहा कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, इसका फैसला पार्टी आलाकमान करेगा, लेकिन अगर उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए कहा गया तो वह सीएम मान का मुकाबला करना चाहेंगे। वड़िंग ने कहा कि मैं मान के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा...।'' वड़िंग इससे पहले मुक्तसर जिले की गिद्दड़बाहा विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सीएम मान वर्तमान में संगरूर जिले की धुरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे और विधायक बने। वड़िंग की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब पूर्व सीएम और जालंधर से वर्तमान सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक वर्ग ने उन्हें कांग्रेस की पंजाब इकाई का अध्यक्ष बनाए रखने के आलाकमान के फैसले का विरोध करते हुए पद से हटाने की मांग की है। वड़िंग ने एक अन्य कार्यक्रम 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' में लोगों से पंजाब की मान सरकार को सत्ता से उखाड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के अब तक के सबसे खराब सीएम साबित हुए हैं। वड़िंग ने राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि गैंगस्टर संस्कृति और अराजकता चरम पर है और नशे की समस्या ने भयावह रूप ले लिया है।

केजरीवाल का नारा- बीजेपी भगाओ, गाड़ी बचाओ

ई-20 नीति के खिलाफ आप ने खोला मोर्चा और कहा- वाहनों को हो रहा नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार की ई-20 पेट्रोल नीति को लेकर एक बार फिर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए नया राजनीतिक नारा दिया- बीजेपी भगाओ, गाड़ी बचाओ। यह नारा और टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जबकि आम आदमी पार्टी देशभर में ई-20 ईंधन नीति के विरोध में अभियान चला रही है।

पूर्व सीएम केजरीवाल का आरोप है कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल से वाहनों का माइलेज कम हो रहा है और इंजन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को ई-20 के साथ-साथ शुद्ध पेट्रोल अथवा अन्य ईंधन विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वाहन मालिक अपनी आवश्यकता के अनुसार ईंधन का चयन कर सकें।

ई-20 नीति के विरोध में आम आदमी पार्टी पिछले कुछ दिनों से लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च का नेतृत्व भी किया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने मार्च को बीच रास्ते में रोक दिया, जिसके बाद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिरोजशाह रोड पर धरना दिया था। आप का दावा है कि उसने ई-20 नीति के विरोध में लाखों लोगों के हस्ताक्षर भी एकत्र किए हैं। उधर, भारतीय जनता पार्टी ने केजरीवाल के आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक अभियान बताया है। भाजपा का कहना है कि ई-20 पेट्रोल से वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों की पुष्टि किसी मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक अध्ययन या आधिकारिक रिपोर्ट से नहीं हुई है। पार्टी का आरोप है कि विपक्ष बिना ठोस साक्ष्यों के लोगों के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है।

राम मंदिर दान मामले की जांच तेज, पुराने लेजर की हो रही पड़ताल

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में दान से जुड़ी कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। जांच एजेंसियों ने अब मंदिर के पुराने लेजर और वित्तीय रिकॉर्ड की गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का मानना है कि वर्षों से दर्ज चढ़ावे का पूरा लेखा-जोखा इन दस्तावेजों में मौजूद है और इन्हीं के आधार पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि रिकॉर्ड में दर्ज रकम और वास्तविक जमा राशि के बीच कोई अंतर है या नहीं। मामले की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) की निगरानी में चल रही है, जबकि विवेचना का जिम्मा सीओ अयोध्या संभाल रहे हैं।

जांच के दौरान अब तक ट्रस्ट के पदाधिकारियों, मंदिर कर्मचारियों और बैंककर्मियों सहित 100 से अधिक लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जा चुका है।

कई लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि आवश्यकता पड़ने पर कुछ लोगों को दोबारा भी तलब किया जा सकता है। जांच एजेंसियों का कहना है कि पूरे मामले की हर कड़ी को जोड़ने के लिए दस्तावेजों और बयानों का सावधानीपूर्वक मिलान किया जा रहा है। जांच का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा अब पुराने लेजर रिकॉर्ड बन गए हैं। इन दस्तावेजों में अलग-अलग तारीखों पर प्राप्त दान की राशि, उसके लेखांकन और जमा किए गए धन का पूरा विवरण दर्ज है। अधिकारी प्रत्येक पन्ने की बारीकी से जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि किसी तारीख पर दर्ज दान और बैंक में जमा रकम के बीच कोई विसंगति तो नहीं है। यदि कहीं कोई अंतर मिलता है तो उसे कथित वित्तीय अनियमितताओं के संभावित साक्ष्य के रूप में देखा जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, लेजर में दर्ज प्रविष्टियों का बैंक रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय दस्तावेजों से मिलान किया जा रहा है। जिन प्रविष्टियों पर संदेह है, उनसे जुड़े कर्मचारियों और संबंधित लोगों से अलग-अलग पूछताछ की जा रही है। जांच अधिकारी नियमित रूप से मंदिर पहुंचकर रिकॉर्ड का निरीक्षण कर रहे हैं और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि पूरे वित्तीय लेनदेन की श्रृंखला को क्रमवार समझा जाए और यदि कहीं गड़बड़ी हुई है तो उसकी पुष्टि की जा सके। जांच एजेंसियों का कहना है कि फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। दस्तावेजों, बैंक रिकॉर्ड और संबंधित लोगों के बयानों का मिलान पूरा होने के बाद ही जांच की दिशा और आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वर्षों से दर्ज लेजर रिकॉर्ड पूरी तरह सही हैं या उनमें ऐसी विसंगतियां मौजूद हैं जो कथित वित्तीय अनियमितताओं की ओर संकेत करती हैं। इसी पहलू को केंद्र में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

डांगावास हत्याकांड के सभी 40 आरोपी बरी, 11 साल बाद आया फैसला चिंताजनक : गहलोत

जयपुर (एजेंसी)।, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने नागौर डांगावास हत्याकांड में कोर्ट के फैसले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उल्लेखनीय है कि नागौर जिले के विशिष्ट न्यायालय ने डांगावास हत्याकांड के सभी 40 आरोपियों को बरी कर दिया है। बता दें साल 2015 में इस हत्याकांड में जमीन विवाद को लेकर पांच दलितों की हत्या कर दी गई थी। गहलोत ने कहा कि नागौर के डांगावास हत्याकांड में 11 साल बाद आया फैसला बेहद चिंताजनक है। 2015 में जमीन विवाद में पांच दलितों समेत छह लोगों की निर्मम हत्या हुई थी और अब एससी-एसटी विशेष कोर्ट ने सभी 40 आरोपियों को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। पीड़ित परिवारों का सवाल जायज है, अगर 40 आरोपी बरी हो गए तो इन छह लोगों की हत्या आखिर किसने की?

गहलोत ने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई, सीबीआई से जांच और सुनवाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है। उन्होंने राज्य की बीजेपी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार के शासन में 11 साल पहले ऐसी घटना होना और अब उन्हीं के शासन में प्रतिकूल फैसला आना यह दिखाता है कि बीजेपी न्याय के पक्ष में नहीं है। दलित समाज के साथ हुए इस अन्याय में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए खड़ी रही है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़नी चाहिए, राज्य सरकार को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

संसद परिसर में विपक्ष ने फिर किया प्रदर्शन, शाह से सदन में जवाब देने की मांग

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई समेत अन्य मुद्दों को लेकर जारी है गतिरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को भी विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने संसद भवन परिसर से मकर द्वार तक मार्च निकाला। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर बयान देने के साथ ही विभिन्न विवादित मुद्दों पर जवाब देने की मांग की गई।

विरोध प्रदर्शन व मार्च निकाल रहे विपक्षी सांसद हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। उन्होंने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जंतर मंतर और संसद तक मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिसबल की कार्रवाई तथा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष का आरोप है कि सरकार इन गंभीर मुद्दों पर चर्चा और जवाबदेही से बच रही है, जबकि संसद जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है।

बारिश के बावजूद निकाला विरोध मार्च

दिल्ली में गुरुवार सुबह से हो रही बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर विरोध मार्च में शामिल हुए। प्रतिकूल मौसम होने के बाद भी प्रदर्शन जारी रखकर विपक्ष ने सरकार पर दबाव बनाने की भरसक कोशिश की है। प्रदर्शन के दौरान कई विपक्षी नेताओं ने सरकार से संसद में विस्तृत चर्चा कराने और संबंधित मुद्दों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग दोहराई। मानसून सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार बढ़ते टकराव का असर सदन की कार्यवाही पर भी दिखाई दे रहा है। विपक्ष का कहना है कि जब तक सरकार इन मुद्दों पर सदन में जवाब नहीं देती, तब तक उसका विरोध जारी रहेगा।

खड़गे बोले- पीएम और शाह संसद का अपमान कर रहे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष की मांग बिल्कुल स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह सदन में आएं, अपना बयान दें। हम चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चर्चा से ही समाधान निकलेगा। संसद का सत्र शुरू हुए कई दिन हो चुके हैं, लेकिन उनका सदन में न आना संसद का अपमान है। खड़गे ने आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार इस पर सहमत नहीं हो रही है। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद के भीतर संवाद और बहस ही समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है।

परीक्षा गड़बड़ी मामले को लेकर आंदोलनकारी छात्र सरकार से बातचीत को तैयार

-छात्रों ने रखी शर्त-सीएम खुद करें बात और कम से कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें

रांची (एजेंसी)। झारखंड में पीएससी समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर छात्रों का रांची में आंदोलन जारी है। वे सरकार से बातचीत को तैयार हो गए हैं। उन्होंने शर्त रखी कि सीएम हेमंत सोरेन खुद बात करें और उस दौरान कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें। छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए एसडीओ ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा।

छात्रों का आरोप है कि सरकार सिर्फ पांच सदस्यीय टीम बुलाकर आंदोलन को कमजोर करना चाहती है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का धरना 13वें दिन भी जारी है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में सीबीआई-ईडी जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं सीआईडी ने बुधवार देर रात पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक 19 लोग पकड़े जा चुके हैं। 2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की ओएमआर शीट वायरल हुई। दावा किया गया है कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद जेपीएससी ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी।

भारत सीमा पर पाकिस्तान ने बढ़ाई चीनी एसएच-15 तोपों की तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट पाकिस्तान द्वारा चीन निर्मित एसएच-15 व्हील्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी सिस्टम की तैनाती से भारतीय सुरक्षा हलकों में सामरिक चर्चा तेज हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने भारत से सटे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में इन लंबी दूरी की तोपों को तैनात किया है, जिससे उसकी आर्टिलरी क्षमता में वृद्धि हुई है। हालांकि, इन दावों की कोई स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के लिहाज से महत्वपूर्ण मान रहे हैं। बताया गया है कि पाकिस्तान ने गुजरांवाला, सियालकोट और जलालपुर जट्टन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इन एसएच-15 तोपों को तैनात किया है। ये इलाके शकरगढ़ सेक्टर से संबंध रखते हैं, जिसका अतीत में भारत-पाकिस्तान संघर्षों के दौरान विशेष सामरिक महत्व रहा है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि पाकिस्तान इन प्रणालियों के स्थानीय उत्पादन के लिए हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी) की दिशा में भी चीन के साथ काम कर रहा है।

रक्षा विश्लेषक लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) जे.एस. सोढ़ी ने तैनाती को भारत की सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया। उनके अनुसार, पाकिस्तान तेजी से चीनी हथियारों पर निर्भर होता जा रहा है, और चीन-पाकिस्तान के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग भविष्य में क्षेत्रीय सामरिक संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। लेफ्टिनेंट कर्नल सोढ़ी ने आशंका व्यक्त की कि दोनों देशों का बढ़ता सैन्य गठजोड़ भारत के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा चुनौती बन सकता है। यह विश्लेषक का आकलन है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तकनीकी दृष्टि से, एसएच-15 एक 155 मिमी, 52-कैलिबर सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिलरी सिस्टम है, जिसकी मारक क्षमता गोला-बारूद के प्रकार के आधार पर लगभग 40 से 70 किलोमीटर तक बताई जाती है। पाकिस्तान ने वर्ष 2019 में इन प्रणालियों का ऑर्डर दिया था और बाद के वर्षों में इनकी आपूर्ति शुरू हुई। इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने सीमा पार सुरक्षा चुनौतियों पर अपनी नीति दोहराई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की सीमा पार आतंकवाद के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक सभी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, और सीमा पार से आतंकवाद पूरी तरह समाप्त होना चाहिए। विशेषज्ञ मानते हैं कि क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों पर लगातार नजर रखना और सामरिक संतुलन बनाए रखना भारत की सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण कानून के तहत कोलंबिया में 839 गिरफ्तार

बोगोटा, एजेंसी। पांच अमेजन देशों की पुलिस ने अमेजन वर्षावन में पर्यावरण अपराधों पर बड़ी कार्रवाई की। इसमें सैकड़ों गिरफ्तारियां हुईं और लकड़ी, खनिज तथा हजारों पशुधन जब्त किए गए। बोलीविया, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर और पेरू ने 15 से 31 जुलाई तक 'ऑपरेशन ग्रीन शील्ड 2026' चलाया। इसमें 3,600 से अधिक अधिकारी तैनात थे। इसका लक्ष्य अवैध खनन, कटाई, वन्यजीव तस्करी और भूमि हथियाना था। ऑपरेशन में 839 गिरफ्तारियां और 1,045 फील्ड कार्रवाई हुईं। 280,000 क्यूबिक मीटर से अधिक अवैध लकड़ी, 195 मीट्रिक टन खनिज जब्त हुए। 3,000 से अधिक जीवित जानवर बचाए गए, 430 मृत जानवर भी बरामद हुए। जब्त सामान का मूल्य 280 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक था। यह 2025 के समान ऑपरेशन के बाद हुई थी। इस वर्ष बोलीविया को भी शामिल किया गया।

अमेरिका ने ब्राजील की राजदूत का वीजा रद्द किया, चुनाव से पहले तनाव बढ़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील की राजदूत मारिया लुइजा रिबेरो वियोटी का वीजा रद्द कर दिया है। यह ब्राजील के अमेरिकी राजनयिकों को वीजा न देने और राजदूत नामांकन में देरी का जवाबी कदम है। विदेश विभाग ने कहा कि ब्राजील की कार्रवाइयों का यह निर्णय उचित कार्रवाई पर तुरंत बदला जा सकता है। ट्रंप और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के प्रशासन के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं। ट्रंप, लूला के पूर्ववर्ती जैर बोल्सोनारो और उनके बेटे फ्लेवियो बोल्सोनारो के समर्थक हैं। फ्लेवियो अक्तूबर चुनाव में लूला के मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। ब्राजील ने जुलाई में अमेरिकी राजनयिक रिले बार्न्स और उनके एक सहयोगी को वीजा नहीं दिया था। ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के बड़े मादक पदार्थ तस्करी समूहों को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया। शुक्रवार, 1 अगस्त, 2026 को ब्राजील के निर्यातों पर 37.5 फीसदी तक शुल्क वृद्धि भी लागू हुई। लूला प्रशासन इसे सीनेटर बोल्सोनारो के पक्ष में चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास मानता है।

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश से संबंधित घटनाओं में छह की मौत, 65 घर क्षतिग्रस्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अधिकारियों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक सप्ताह के भीतर बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अनुसार मंगलवार को, भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रांत के कई जिलों में व्यापक क्षति हुई है। 29 जुलाई से अब तक इन घटनाओं में छह अन्य लोग घायल भी हुए हैं। पीडीएमए के एक प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। प्राधिकरण ने जानकारी दी कि प्रांत में कुल 65 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें से 41 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है, जबकि 24 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। प्रभावित जिलों में एबटाबाद, स्वात, बुनेर, खैबर, लोअर चित्राल, लोअर दीर, मानसेहरा, मरदान, पेशावर, शांगला, स्वाबी, अपर दीर और अपर कोहिस्तान शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि पीडीएमए, रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभाग प्रभावित क्षेत्रों में संयुक्त रूप से राहत अभियान चला रहे हैं। पीडीएमए के महानिदेशक ने जिला प्रशासनों को राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता सुनिश्चित करने को भी कहा है।

अफ्रीका में भीषण हादसा : यात्री वैन और ट्रक की टक्कर 14 लोगों की मौत, चालक की लापरवाही पड़ी भारी

कम्पाला, एजेंसी। युगांडा में एक यात्री वैन और रेत ले जा रहे ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह हादसा सोमवार रात कालुंगु जिले के कमुंगा ट्रेडिंग सेंटर इलाके में एक राजमार्ग पर हुआ। पुलिस ने एक बयान में कहा कि मरने वाले सभी लोग वैन में सवार यात्री थे। वहीं, चार अन्य घायल हो गए। अफ्रीका भर में सड़क दुर्घटनाएं एक समस्या हैं और युगांडा में ये आम हैं। इन दुर्घटनाओं के लिए अक्सर खराब रखरखाव वाले वाहन, अत्यधिक गति और खराब सड़क स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। जुलाई में पूर्वी युगांडा में एक सुरम्य झरने की शैक्षिक यात्रा से लौट रही एक प्राथमिक विद्यालय की बस सड़क से उतरकर पलट गई, जिससे कम से कम 20 बच्चों और एक वयस्क की मौत हो गई।

ट्रंप नेशनल गोल्फ क्लब के पास से संदिग्ध गिरफ्तार, अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने का था प्लान? हथियार भी बरामद

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैलिफोर्निया दौरे से पहले एक संदिग्ध व्यक्ति को हथियार समेत गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक लॉस एंजिल्स के पास ट्रंप नेशनल गोल्फ कल्ब के बाहर इस शख्स को गिरफ्तार किया गया है.

लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट ने कहा कि फेडरल एजेंट्स ने गोल्फ कोर्स के आसपास एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने की खबर दी थी, जिसके बाद संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया. विभाग ने आगे बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान हो गई है. वह 38 साल का जीनिन जॉन टेले (Jeanine John Taele) है और वह कैलिफोर्निया के डाउनी का रहने वाला है. अधिकारियों ने कहा कि जब संदिग्ध को कस्टडी में लिया, तो उसके पास एक हथियार और बैन गोला-बारूद भी मिला. उसे हथियार रखने और बैन गोला-बारूद रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.

शेरिफ डिपार्टमेंट के मुताबिक, टेले को गोल्फ क्लब ग्राउंड पर फोटो लेते और वीडियो रिकॉर्ड करते देखा गया था. जांचकर्ताओं ने कहा कि ऐसा लग रहा था कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे से पहले प्रॉपर्टी पर 'सिक्योरिटी-प्लानिंग एक्टिविटीज' पर नजर रख रहा था.

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि क्या संदिग्ध से राष्ट्रपति ट्रंप को कोई खतरा था. मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, जांच करने वाले यह जांच कर रहे हैं कि क्या यह घटना राष्ट्रपति के खिलाफ किसी संभावित खतरे से जुड़ी थी. हालांकि,

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिकइस बात का अभी कोई संकेत नहीं है कि संदिग्ध हमले की साजिश रच रहा था, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि जांच अभी भी जारी है. अधिकारियों ने यह भी बताया कि टेले की एल सेगुंडो पुलिस डिपार्टमेंट एक अलग रॉबरी केस के सिलसिले में जांच कर रहा है.

उस जांच के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी गई है. जब शेरिफ डिपार्टमेंट ने गिरफ्तारी की घोषणा की, तब राष्ट्रुति ट्रंप कैलिफोर्निया जा रहे एयर फोर्स वन में थे. इस घटना के बावजूद, मंगलवार शाम को उनके रैंचो पालोस वर्डेस गोल्फ कोर्स में रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के डिनर में शामिल होने का उनका शेड्यूल था. यह सिक्योरिटी डर तब आया जब लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियां ??प्रेसिडेंशियल इवेंट्स के आसपास कड़ी सिक्योरिटी बनाए हुए हैं. फेडरल, स्टेट और लोकल अथॉरिटीज अमेरिकी राष्ट्रपति के दौरे से पहले रेगुलर तौर पर बड़े सिक्योरिटी उपायों को कोऑर्डिनेट करती हैं, और ऐसे इवेंट्स होस्ट करने वाली जगहों के पास किसी भी संदिग्ध एक्टिविटी को एक गंभीर मामला माना जाता है.

सीक्रेट सर्विस और लोकल लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की जांच टीम संदिग्ध की गतिविधियों, इरादों और किसी भी संभावित सिक्योरिटी असर की जांच कर रहे हैं. अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि जब तक जांच चल रही है, वे अंदाजा लगाने से बचें.

इस साल अप्रैल में हुआ हमला : इसी साल 26 अप्रैल 2026 को ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था,. जब वे वॉशिंगटन के एक होटल में मीडिया के लोगों के लाथ डिनर कर रहे थे. तभी अचानक से लोगों को गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं. हालात को देखते हुए सुरक्षाकर्मियों ने ट्रंप को वहां से निकाला और सुरक्षित जगह ले गए. सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि करीब 7-8 राउंड फायरिंग हुई थी. इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमलावर पकड़ा गया है और कार्यक्रम चालू रहना चाहिए. उसके बाद उन्होंने हमलावर को बीमार बताया और कि हमले के पीछे का मकसद कुछ साफ नजर नहीं आया है.

चुनावी रैली में भी हुई फायरिंग : करीब दो साल पहले 13 जुलाई 2024 को भी ट्रंप पर हमले की कोशिश की गई थी. पेंसेल्वेनिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन पर फायरिंग हुई थी. उस समय वे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर प्रचार कर रहे थे. जानकारी के मुताबिक बटलर में हो रही रैली के दौरान एक 20 साल के लडके थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने,क्र15 राइफल से उनपर फायरिंग की थी. अच्छी बात यह रही कि गोली ट्रंप के कान को छूती हुई निकल गई और थोड़ी चोटें आई. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए हमलावर को तुरंत मार गिराया.

सितंबर 2024 में भी हुआ हमले का प्रयास : जुलाई के दो महीने बाद 15 सितंबर 2024 को फ्लोरिडा गोल्फ कोर्स में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोल्फ खेलते समय फायरिंग हुई. करूब 59 साल के शख्स रयान वेस्ले राउथ को गिरफ्तार किया गया. वह झाड़ियों में छिपकर फायरिंग कर रहा था. अमेरिकी सर्विस एजेंट्स ने फौरन उसे पकड़ लिया और फिर उसे सजा सुनाई गई.

दस साल पहले भी हुई थी फायरिंग : दस साल पहले भी ट्रंप पर 18 जून 2016 को फायरिंग हुई थी. उस समय वे अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं, बल्कि रिपब्लिकन उम्मीदवार थे. एक 20 साल के ब्रिटिश युवक ने ऑटोग्राफ लेने के बहाने उन पर हमले करने की सोची, लेकिन सुरक्षाबलों ने समय रहते उसे पकड़ लिया।

रूस ने यूक्रेन पर रात में किया हमला, एक की मौत, पांच घायल हो गए

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के मंगलवार देर रात (लोकल टाइम) किए गए हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए. शहर के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, दोनों देशों के बीच युद्ध बढ़ता जा रहा है. अल जजीरा के मुताबिक यूक्रेनी एयर फोर्स के कई बैलिस्टिक मिसाइलों के आने की खबर देने के बाद यूक्रेनी राजधानी में धमाकों की आवाज सुनी गई. यह नया हमला रूस और यूक्रेन दोनों की तरफ से बॉर्डर पार से किए जा रहे हमलों के बीच हुआ है. लोकल अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को दक्षिणी रूस के रिसॉर्ट शहर गेलेंदजिक के एक भीड़भाड़ वाले बीच पर यूक्रेन के ड्रोन का मलबा गिरने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई. रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी टैस (ञ्रस्र) ने रूस के बच्चों के अधिकार कमिश्नर के हवाले से बताया कि मरने वालों में चार बच्चे थे. इस घटना में 58 लोग घायल भी हुए, जिनमें से कई अभी भी हॉस्पिटल में भर्ती हैं.

इलाके के गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटिव ने कहा कि मौतें तब हुई जब एक अनमैन्ड एरियल व्हीकल (ढ्ढ) का मलबा बीच पर गिरा. यह अभी साफ नहीं है कि ड्रोन अपने आप क्रैश हुआ या रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने उसे गिराया. सीएनएन के वीडियो फुटेज के एनालिसिस के मुताबिक ड्रोन के तेजी से रास्ता बदलने और बीच पर क्रैश होने से कुछ देर पहले कम से कम तीन हथियारों से ऑटोमैटिक गोलियों की आवाज सुनी गई. सीएनएन ने बताया कि नीचे गिरने से पहले ड्रोन पास के रूसी रडार इंस्टॉलेशन को पार करता हुआ दिखा. सीएनएन को दिए एक बयान में यूक्रेन के सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइन्फॉर्मेशन के हेड एंड्री कोवलेंको ने आरोप लगाया कि यह हादसा रूसी एयर डिफेंस एक्टिविटी की वजह से हुआ. कोवलेंको ने सीएनएन को बताया, 'यह रूसी एयर डिफेंस फोर्स का काम था, जिन्होंने छुट्टियां मनाने वालों से भरे बीच पर ड्रोन को मार गिराया.' उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन सिर्फ रूस के मिलिट्री-इंडस्ट्रियल और इकोनॉमिक इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट करता है जो युद्ध की कोशिशों से जुड़ा है. रूसी अधिकारियों ने भी यूक्रेनी ड्रोन हमलों के जारी रहने की रिपोर्ट दी है. टैस के मुताबिक, मॉस्को इलाके में रात भर में एक ड्रोन हमले में पांच लोग मारे गए और छह अन्य घायल हो गए. इससे एक इंडस्ट्रियल एरिया में कई जगह आग लग गई, जिससे एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन और एक एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा. नए हमले लड़ाई में लगातार बढ़ोतरी को दिखाते हैं. इसमें दोनों पक्षों ने लगातार हवाई हमलों के बीच आम लोगों के मारे जाने और इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचने की रिपोर्ट दी है।

ईरान परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा, बातचीत से घटेंगी तेल की कीमतें : जेडी वेंस

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि अमेरिका किसी भी स्थिति में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उनका कहना है कि तेहरान के साथ बातचीत आसान नहीं होगी, क्योंकि ईरान का नेतृत्व कई गुटों में बंटा हुआ है, लेकिन अंततः कूटनीति, आर्थिक दबाव और अन्य उपायों के जरिए अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल करेगा। एक साक्षात्कार के दौरान वेंस ने कहा कि ईरान के सत्ता तंत्र में कुछ गुट तनाव समाप्त कर समझौता चाहते हैं, जबकि कुछ कट्टरपंथी टकराव जारी रखने के पक्ष में हैं। यही कारण है कि वार्ता की प्रक्रिया जटिल और समय लेने वाली हो सकती है। उन्होंने कहा कि हाल में एक समझौता ज्ञापन विफल होने के बावजूद कूटनीतिक संपर्क फिर से शुरू हुए हैं। अमेरिका इस प्रक्रिया में जल्दबाजी नहीं करेगा, बल्कि ऐसा समाधान चाहता है जिससे क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर सकारात्मक असर पड़े। वेंस ने विश्वास जताया कि भविष्य में तेल की कीमतों में कमी आएगी और वे नियंत्रित स्तर पर बनी रहेंगी। साथ ही उन्होंने दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं देगा। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वार्ता के बीच किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनका मानना है कि बातचीत का अंतिम परिणाम अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा को मजबूत करेगा।

मिसरी के श्रीलंका दौरे के साथ ही भारत ने दिया रणनीतिक संदेश

–विदेश सचिव ने शीर्ष नेतृत्व से की मुलाकात, ऊर्जा, व्यापार, बंदरगाह और तमिल मुद्दे पर हुई अहम चर्चा

कोलंबो (एजेंसी)। हिंद महासागर क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत ने श्रीलंका के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने चीन और भूटान की यात्राओं के तुरंत बाद श्रीलंका पहुंचकर वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता की। इसे भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में दीर्घकालिक रणनीतिक उपस्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

कोलंबो प्रवास के दौरान मिसरी ने राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके, प्रधानमंत्री हरिणी अमरासूर्या, विदेश मंत्री विजिता हेराथ, विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा सहित तमिल समुदाय के प्रतिनिधियों से अलग-अलग मुलाकात की। दोनों देशों ने दिसंबर 2024 के संयुक्त बयान तथा

अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू करने पर सहमति जताई। बैठकों में भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के पुनरीक्षण, सामाजिक सुरक्षा समझौते को अंतिम रूप देने तथा निवेश और सेवा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। भारत ने श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए घोषित 450 मिलियन डॉलर के पैकेज के तहत रेलवे, पशुपालन और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए नई ऋण सहायता तथा अनुदान आधारित योजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। ऊर्जा और संपर्क परियोजनाओं पर भी उल्लेखनीय प्रगति हुई।

दोनों देशों ने बिजली ग्रिड इंटरकनेक्शन, सम्पूर सौर ऊर्जा परियोजना, त्रिंकोमाली को क्षेत्रीय ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने तथा कंकेसनतुरई बंदरगाह के आधुनिकीकरण की समीक्षा की। डिजिटल पहचान परियोजना और रेलवे नेटवर्क के विस्तार पर भी सहमति बनी। वार्ता के दौरान भारत ने तमिल समुदाय के राजनीतिक अधिकारों, प्रांतीय परिषद चुनाव कराने तथा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी के मामलों को मानवीय आधार पर सुलझाने की आवश्यकता भी उठाई। वहीं श्रीलंका ने भरोसा दिलाया कि उसकी भूमि का उपयोग भारत की सुरक्षा के प्रतिकूल नहीं होने दिया जाएगा।

पीओके में बवाल से डरा पाकिस्तान : विदेशी पत्रकारों के लिए सख्त किए नियम, अब हर कदम पर सरकार से लेनी होगी मंजूरी?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने देश में खबरों की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी नए नियमों के अनुसार, अब सभी विदेशी मीडिया कर्मियों को इस्लामाबाद, लाहौर और कराची के अलावा किसी दूसरे शहर में खबरों की कवरेज के लिए जाने से पहले अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना होगा। ये नए नियम ऐसे समय में आए हैं, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों ने दुनियाभर का ध्यान खींचा है। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, सूचना मंत्रालय के एक्सटर्नल पब्लिसिटी (ईपी) विंग में पंजीकृत सभी विदेशी पत्रकारों और मीडिया से जुड़े

लोगों को अब किसी भी दूसरे शहर में जाने से पहले अनिवार्य रूप से एनओसी लेना होगा। यह नियम खबर, डॉक्यूमेंट्री, फिल्म, वीडियो या आधिकारिक काम के लिए सोशल मीडिया सामग्री तैयार करने पर लागू होगा। इन नए दिशा-निर्देशों में विदेशी मीडिया से जुड़े पत्रकारों को ईपी विंग के साथ ऑनलाइन पंजीकरण कराने के लिए भी कहा गया है। इसके बाद पाकिस्तानी सरकार की ओर से क्यूआर कोड वाले पीवीसी मान्यता कार्ड जारी किए जाएंगे। डॉन ने आगे बताया कि मान्यता कार्ड जारी होने में चार से छह हफ्ते तक का समय लग सकता है, जबकि पंजीकरण की प्रक्रिया सात कामकाजी दिनों के अंदर पूरी कर दी जाएगी। ये नए नियम अंतरराष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया संस्थानों पर लागू होंगे। इसमें वेब आधारित प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया माध्यम भी शामिल हैं। इसके अलावा, विदेश में रहने वाले और विदेशी मीडिया के लिए काम करने वाले पाकिस्तानी पत्रकारों पर भी ये नियम लागू होंगे। नोटिस में लिखा, ईपी विंग को किसी भी मान्यता आवेदन को मंजूर करने या खारिज करने का अधिकार सुरक्षित है। ऐसे मामलों में पत्रकार सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव के पास अपील कर सकते हैं। नोटिस में आगे कहा गया, ईपी विंग से पहले से मान्यता प्राप्त या पंजीकृत सभी विदेशी/अंतरराष्ट्रीय मीडिया कर्मियों को किसी भी दूसरे शहर (इस्लामाबाद, लाहौर और कराची को छोड़कर) जाने के लिए ईपी विंग से अनिवार्य एनओसी लेना होगा। अगर वे अपने आधिकारिक काम के लिए खबर, स्टोरी, वीडियो, फिल्म, डॉक्यूमेंट्री या सोशल मीडिया सामग्री तैयार करने जा रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय समुदाय का सम्मान: मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया 'भारत दिवस', गवर्नर ने क्या कहा?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स की गवर्नर मौरा हीली ने 15 अगस्त को 'भारत दिवस' (इंडिया डे) घोषित किया है। यह फैसला राज्य में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों के योगदान को देखते हुए लिया गया है। गवर्नर ने राज्य के लोगों से इस दिन को उचित तरीके से मनाने में शामिल होने की अपील भी की है।

गवर्नर ने एक अगस्त को जारी एक आधिकारिक घोषणा में भारतीय समुदाय के संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका को भी मान्यता दी। उन्होंने कहा कि ये संगठन हर साल स्वतंत्रता दिवस समारोह और सामुदायिक सेवा के कामों के जरिये लोगों को जोड़ने, अलग-अलग संस्कृतियों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने और एक-दूसरे को बेहतर समझने में मदद करते हैं।

दुनिया में भारतीय समुदाय की भूमिका क्या कहा : मैसाचुसेट्स की गवर्नर की ओर से जारी घोषणा में कहा गया है कि 15 अगस्त 2026 को भारत की ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से आजादी की 79वीं वर्षगांठ होगी। साल 1947 में मिली यह आजादी एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की नींव रखी।

घोषणा में कहा गया है कि भारत दुनिया में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय रखने वाला देश है। दुनिया के दूसरे देशों में भारतीय मूल के 3.6 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। इसमें कहा गया कि अमेरिका में 50 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो देश और समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और नागरिक जीवन को मजबूत बनाने में बड़ा योगदान देते हैं।

भारत की विविधता का जिक्र : इसमें कहा गया है कि भारत एक मिली-जुली सभ्यता वाला देश है। यह एक प्राचीन देश है, जो अलग-अलग जातीय समूहों, धर्मों, भाषाओं, रीति-रिवाजों, परंपराओं, पहनावे, खान-पान, जलवायु और प्राकृतिक संसाधनों की बहुत बड़ी विविधता के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद भारत में एकता की भावना बनी हुई है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय को लेकर क्या कहा : घोषणा में यह भी कहा गया है कि मैसाचुसेट्स में रहने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, कारोबार और सार्वजनिक सेवा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे राज्य की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान और मजबूत हुई है।

भारत दिवस कैसे मनाया जाता है : घोषणा में यह भी कहा गया है कि पूरे मैसाचुसेट्स राज्य में भारतीय-अमेरिकी समुदाय इस अहम अवसर को लगातार मनाता है। इसके लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों और शांति व प्रगति के प्रति भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को सम्मान दिया जाता है।

बोस्टन में भी क्या हुआ एलान : इसी तरह की एक घोषणा बोस्टन की मेयर मिशेल वू ने भी की। उन्होंने भी 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया। उन्होंने बोस्टन में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास के खुलने का स्वागत किया और सेलबोस्टन-250 कार्यक्रम में आई भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुदर्शिनी की यात्रा का भी जश्न मनाया।

डेमोक्रेटिक पार्टी से शैनन टेलर, रिपब्लिकन से जॉन मैकगायर उम्मीदवार; आम चुनाव में किससे होगी टक्कर?

वाशिंगटन , एजेंसी। सरकारी वकील शैनन टेलर ने मंगलवार को डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर हुए चुनाव में जीत दर्ज की। अब वह अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के पहले संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से आम चुनाव लड़ेंगी। अब आम चुनाव में शैनन टेलर का मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के मौजूदा सांसद रॉब विटमैन से होगा। वर्जीनिया का यह पहला संसदीय क्षेत्र आम तौर पर रिपब्लिकन पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है, जिसका बड़ा हिस्सा रिचमंड शहर के आसपास के इलाकों में है। लेकिन साल 2025 में डेमोक्रेटिक पार्टी की गवर्नर एबिगेल स्पैनबर्गर ने यहां जीत दर्ज की थी।

क्या डेमोक्रेटिक पार्टी जीत दोहरा पाएगी : डेमोक्रेटिक पार्टी इस साल के चुनाव में इस सीट को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रही है। पार्टी का लक्ष्य आम चुनाव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पर फिर से नियंत्रण हासिल करना है।

सात उम्मीदवारों वाले इस प्राथमिक चुनाव में शैनन टेलर को पार्टी के बड़े नेताओं का समर्थन मिला था। उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान चलाने वाले संगठन और वर्जीनिया के कई डेमोक्रेटिक नेताओं का समर्थन मिला, जिनमें गवर्नर एबिगेल स्पैनबर्गर भी शामिल हैं। टेलर ने कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा के क्षेत्र में अपने काम को प्रमुखता से रखा।

टेलर के एजेंडे में क्या है : उन्होंने कहा कि अगर वह चुनी जाती हैं, तो वॉशिंगटन में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कदम उठाएंगी। इसके तहत सांसदों के शेयर खरीदने-बेचने पर रोक लगाने और पूर्व सांसदों के जीवनभर केंद्र सरकार के सामने किसी कंपनी या संस्था की ओर से पैरवी (लॉबिंग) करने पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करेंगी।

शैनन टेलर पिछले 14 वर्षों से रिचमंड के उपनगरीय इलाके हेनरिको काउंटी में सरकारी वकील (कॉमनवेल्थ्स अटॉर्नी) के रूप में काम कर रही हैं। चुनाव प्रचार के लिए धन जुटाने के मामले में उन्होंने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों से कहीं अधिक पैसा इकट्ठा किया।

ट्रंप समर्थक मैकग्वायर को फिर मिला मौका : रिपब्लिकन पार्टी के सांसद जॉन मैकगायर ने मंगलवार को अपनी पार्टी के अंदर हुए चुनाव में जीत हासिल की। इसके साथ ही वह अमेरिका के वर्जीनिया राज्य के पांचवें संसदीय क्षेत्र से रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले जॉन मैकगायर ने अपनी पार्टी के अंदर हुए चुनाव में मेलानी लुसेरो को हराया। अब वह आम चुनाव लड़ेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से भी उम्मीदवार चुनने के लिए मंगलवार को चुनाव हुआ। इस चुनाव में पूर्व सांसद टॉम पेरीएलो को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

क्या टॉम पेरीएलो दे पाएंगे कड़ी टक्कर : मध्य वर्जीनिया के इस संसदीय क्षेत्र में आम चुनाव में जॉन मैकगायर को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। दो साल पहले हुए आम चुनाव में उन्होंने 57 फीसदी से अधिक वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी का मानना है कि अगर डेमोक्रेटिक पार्टी टॉम पेरीएलो को उम्मीदवार बनाती है, तो वह कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

अमेरिकी सांसद ने एफसीआरए संशोधनों पर चिंता जताई, कहा- इससे द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है : वॉशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी सांसद ने मंगलवार को एनजीओ, ट्रस्ट, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और धार्मिक संगठनों को मिलने वाले विदेशी डोनेशन को कंट्रोल करने वाले अपने कानूनों में भारत के प्रपोज्ड अमेंडमेंट पर चिंता जताई. साथ ही कहा कि इस कदम से द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है. अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य राइली मूर ने कहा कि फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) में बदलाव से भारत सरकार को चर्चों और धार्मिक चैरिटी पर कब्जा करने की इजाजत मिल जाएगी और यह 'ईसाइयों पर साफ हमला' होगा. वेस्ट वर्जीनिया के रिपब्लिकन मूर ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'ईसाई तब से भारत में हैं जब सेंट थॉमस द अपॉसल हमारे प्रभु यीशु मसीह के दोबारा जी उठने के कुछ दशक बाद मालाबार कोस्ट गए थे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत भेस्तान सतीश मराठा हत्याकांड

4 नाबालिग समेत 8 आरोपी गिरफ्तार, गैंगवार और वर्चस्व की लड़ाई मुख्य वजह होने की आशंका

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में सतीश मराठा की हत्या का खुलासा हो गया है। तापी LCB और सूरत क्राइम ब्रांच ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उच्छल से मुख्य आरोपियों समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुरानी रंजिश के चलते फायरिंग और धारदार हथियारों से हमला कर सतीश की हत्या किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने 2 पिस्तौल और 1 देसी तमंचा बरामद किया है। पुलिस को इस हत्या के पीछे गैंगवार और वर्चस्व की लड़ाई की आशंका है।

सूरत के भेस्तान इलाके में सरस्वती आवास के पास सतीश उर्फ सतीश मराठा की पुरानी रंजिश में हुई सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया। तापी जिला LCB और सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर उच्छल इलाके से मुख्य आरोपियों समेत 8 लोगों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में 4 बालिग और 4 नाबालिग शामिल हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक सतीश मराठा और आरोपियों के बीच लंबे समय से पुरानी दुश्मनी चल रही थी। आरोपियों को अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा था। इसके बाद उन्होंने कथित तौर पर साजिश रचकर सतीश पर पॉइंट ब्लैंक रेंज से फायरिंग की और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर दी।

जेल में बंद मुख्य साजिशकर्ता, 8 गिरफ्तार और 2 वांछित

इस मामले में गिरफ्तार बालिग आरोपियों में केतन उर्फ सन्नी सिरसाठ, राहुल उर्फ बटको दुबे, करण उर्फ पुदुल दुबे और अजीत उर्फ जस्टिन गोस्वामी शामिल हैं। इनके अलावा 4 नाबालिगों को भी पकड़ा गया है।

जांच के दौरान सामने आया कि जेल में बंद राहुल सोमण मंडल इस पूरे हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता है।

वहीं, आरोपियों की मदद करने वाले राहुल बब्बन कापुरे और रिंकू नाम के दो आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

मृतक का भी आपराधिक इतिहास, पिस्तौल और देसी तमंचा बरामद

संयुक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 2 पिस्तौल, 1 देसी तमंचा और 3 मोपेड जब्त की हैं।

पुलिस के अनुसार, मृतक सतीश मराठा का भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह चर्चित सूर्या मराठी हत्याकांड समेत कई गंभीर अपराधों में कथित तौर पर शामिल रहा था। इसी आपराधिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुलिस को आशंका है कि सतीश मराठा की हत्या के पीछे गैंगवार और इलाके में वर्चस्व की लड़ाई मुख्य वजह हो सकती है।

सूर्या मराठा हत्याकांड से जेल जाने तक रहा आपराधिक इतिहास

उल्लेखनीय है कि राहुल अपार्टमेंट गैंग से जुड़े मृतक सतीश मराठा के खिलाफ 2020 के चर्चित सूर्या मराठा हत्याकांड, 2018 के किशोर पिंकीबा हत्याकांड, 2026 के आशीष सिंह हत्याकांड और इच्छापुर इलाके में फायरिंग कर हत्या के प्रयास (धारा 307) जैसे गंभीर मामले दर्ज थे। जुलाई 2024 में जेल से रिहा होने के बाद भी उसकी आपराधिक गतिविधियां जारी रहने की बात सामने आई थी। इसी वजह से स्थानीय गैंग और उसके पूर्व साथियों के साथ उसकी दुश्मनी बढ़ती गई और आखिरकार इसी गैंगवार में उसकी हत्या कर दी गई।

चोरी के शक में पकड़े गए युवक की कोर्ट रूम में मौत

कतारगाम पुलिस पर बेरहमी से पीटने का परिवार का आरोप सिविल अस्पताल में ब्रेन डेड घोषित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सिविल कोर्ट परिसर में कतारगाम पुलिस द्वारा चोरी के आरोपी के रूप में हिरासत में लिए गए 33 वर्षीय नरेश परमार की कोर्ट रूम में अचानक गिरने के बाद मौत हो गई। परिवार ने पुलिस पर हिरासत में बेरहमी से मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक, नरेश को 3 दिन तक हिरासत में रखने के बाद कोर्ट में पेश किया गया था, जहां वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। बाद में अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी।

सूरत सिविल कोर्ट परिसर से सामने आई इस घटना से हड़कंप मच गया है। कतारगाम पुलिस ने नरेश परमार को चोरी के संदेह में हिरासत में लिया था। कोर्ट रूम में अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने के बाद वह गिर पड़ा। इसके बाद परिजनों ने पुलिस पर कस्टडी में बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी।

मृतक नरेश परमार की भाभी और परिजनों के मुताबिक, दो दिन पहले नरेश के कमरे में रहने वाले किरायेदार ने चोरी की थी। परिवार का आरोप है कि असली चोरी करने वाले व्यक्ति को छोड़ दिया गया और नरेश को हिरासत में ले लिया गया।

परिजनों का आरोप है कि 'पुलिस ने उसे हिरासत में रखने के अलावा पुलिस स्टेशन के बाहर भी बेरहमी से पीटा। ' परिवार का कहना है कि उन्होंने पुलिस से नरेश को नहीं मारने की गुहार लगाई थी, लेकिन कथित तौर पर पुलिस द्वारा कानूनी सीमा से बाहर जाकर की गई मारपीट के कारण ही उसकी हालत बिगड़ी और वह कोर्ट रूम में गिर पड़ा।

चार बच्चों के पिता नरेश परमार की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और इलाके में शोक का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, कतारगाम पुलिस ने नरेश को तीन दिन तक हिरासत में रखने के बाद 6 अगस्त को सूरत सिविल कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट रूम में कार्यवाही के दौरान ही नरेश अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा।

उसे तत्काल सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे 'ब्रेन डेड' घोषित कर दिया।

दूसरी ओर, इन गंभीर आरोपों को लेकर जब कतारगाम पुलिस स्टेशन के पीआई से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फिलहाल मामले के संबंध में उनके पास स्पष्ट जानकारी नहीं होने की बात कही।

घटना के बाद पुलिस हिरासत, कथित मारपीट और पुलिस की कार्रवाई को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा

टेक्सटाइल मार्केट में 4.53 करोड़ का फर्जीवाड़ा करने वाला महाठग गिरफ्तार

इकोसेल क्राइम ब्रांच ने सूरत के शिवकार्तिक एन्क्लेव से दबोचा 7 दिन की रिमांड मंजूर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कपड़ा बाजार में वीरा टेक्सटाइल एजेंसी के नाम पर दलाली कर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले मुख्य आरोपी रोहित उर्फ पंकज चंदनमलजी तेलपुरिया (जैन) (46) को सूरत इकोसेल क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से राजस्थान के सिरोही का रहने वाला है और उसे सूरत के वीआईपी रोड स्थित शिवकार्तिक एन्क्लेव से पकड़ा गया।

आरोपी रोहित तेलपुरिया ने सह-आरोपी विशाल उर्फ विक्की गांधी तथा 20 से अधिक व्यापारियों और दलालों के साथ मिलकर सूरत के कपड़ा बाजार के व्यापारियों को निशाना बनाया था।

शुरुआत में खुद को कपड़ा दलाल बताकर उसने कुछ माल खरीदा और समय पर भुगतान कर व्यापारियों का विश्वास जीत लिया। इसके बाद विश्वास हासिल करने के बाद 27 दिसंबर 2024 से 4 अप्रैल 2025 के बीच विभिन्न औद्योगिक फर्मों से करोड़ों रुपये का फैब्रिक और कपड़ा मंगवाया।

आरोपियों ने अगस्त 2025 में भुगतान करने का भरोसा दिलाया, लेकिन बाद में अपनी दुकानें और मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गए।

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मुख्य रूप से तीन व्यापारिक फर्मों से कुल 4,53-,49,541 का कपड़ा हासिल कर धोखाधड़ी की।

चिराग मगनभाई चौधरी से

2,13,16,202 का माल

विशाल वालाराम चौधरी (विद्यावती NXR) से 2,08,8 2,723 का माल

संदीपकुमार अग्रहरी (फैशन माय हार्ट) से 31,50,616 का माल

इस तरह तीनों फर्मों से कुल 4.53 करोड़ से अधिक का कपड़ा हासिल किया गया।

आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ पहले अहमदाबाद के कालूपुर, मेहसाणा के बी डिवीजन और लांघणज, तथा सूरत के सलाबतपुरा, महिधरपुरा, उधना और सचिन पुलिस थानों में विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी तथा लूट-अपहरण जैसे 9 से अधिक गंभीर मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

सरौली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज होने के बाद करोड़ों रुपये के इस घोटाले का नेटवर्क बड़ा होने के कारण इकोसेल क्राइम ब्रांच ने जांच अपने हाथ में ली। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से 7 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर की गई है। करोड़ों रुपये का कपड़ा कहां बेचा गया, उससे मिली रकम का क्या किया गया और इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य आरोपी कहां हैं—इन सभी पहलुओं को लेकर इकोसेल द्वारा आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है।

सूरत में मसाज पार्लर की आड़ में सेक्स रैकेट

भाई 1,000 में बहन के फ्लैट पर ग्राहक लाता था, एक छात्रा आपत्तिजनक हालत में मिली, दूसरा वेटिंग में था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पासोदरा इलाके में एक फ्लैट में मसाज पार्लर की आड़ में कथित तौर पर सेक्स रैकेट चलाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान सगे भाई-बहन समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, फ्लैट से दो महिलाएं और दो ग्राहक छात्र मिले।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार भाई-बहन का एक अन्य भाई आम आदमी पार्टी (AAP) का सक्रिय

कार्यकर्ता है।

लसकाणा पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर एम.बी. झाला को सूचना मिली थी कि पासोदरा की ओम टाउनशिप स्थित एक फ्लैट में मसाज पार्लर की आड़ में कथित तौर पर सेक्स रैकेट चल रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने फ्लैट पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान भाई-बहन और एक अन्य महिला संचालक को मौके से पकड़ लिया गया।

पुलिस ने फ्लैट की तलाशी ली तो एक कमरे से 35 वर्षीय महिला के साथ 18 वर्षीय छात्र आपत्तिजनक हालत में मिला। वहीं, दूसरा 19 वर्षीय छात्र वेटिंग एरिया से मिला।

इसके अलावा दूसरे कमरे से 41 वर्षीय एक अन्य महिला भी मिली। पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से कथित सेक्स रैकेट चलाने वालों में हड़कंप मच गया। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि ग्राहकों से प्रति व्यक्ति 1,000 लिए जाते थे। फ्लैट की मालकिन जागृति थी, जबकि उसका भाई कालू बाहर से ग्राहकों को लाने और फ्लैट के बाहर निगरानी रखने का काम करता था।

पुलिस ने फ्लैट से 1,000 नकद और करीब 21,000 कीमत का मोबाइल फोन जब्त किया है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में:

जागृति उर्फ कृष्णा सतीष राजपरा (39) — फ्लैट की मालकिन और कथित मुख्य संचालक, निवासी ओम टाउनशिप, पासोदरा।

कालू भीखा चावड़ा (34) — जागृति का भाई, कथित तौर पर ग्राहकों को लाने और निगरानी का काम करता था।

पूजा उर्फ पूनम हिराणी — मौके पर मैनेजमेंट और संचालन संभालने वाली महिला, निवासी ओम पैलेस।

पुलिस इंस्पेक्टर एम.बी. झाला के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी कालू और जागृति का सगा भाई आम आदमी पार्टी में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करता है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

मुंबई में आतंक मचा रहे शातिर चोर को सूरत पुलिस ने दबोचा

45 लाख के गहने-नकदी और घड़ियां बरामद, एक ही कॉलोनी में 6 चोरियां, आते-जाते CCTV में कैद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई के पॉश इलाकों में बंद मकानों को निशाना बनाकर करीब आधे करोड़ रुपये की घरफोड़ चोरियों को अंजाम देने वाला शातिर चोर आखिरकार सूरत पुलिस के हत्थे चढ़ गया। नीयोल चेकपोस्ट के पास पैदल जा रहे आरोपी को सारोली पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया।

आरोपी के पास से45.26 लाख रुपये से अधिक का चोरी का सामान बरामद हुआ है। पुलिस की कार्रवाई से मुंबई के करीब 6 अनसुलझे चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है।

सारोली पुलिस की टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस हेड कांस्टेबल हिम्मतभाई मावजीभाई और पुलिस कांस्टेबल मनीषभाई विठ्ठलभाई को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई।

अंत्रोली गांव की ओर से पैदल आ रहे कमलजीतसिंह उर्फ शनीसिंह बंगु को नीयोल चेकपोस्ट के पास घेरकर पकड़ लिया गया।

पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से मुंबई के रू।क्क कॉलोनी इलाके से चोरी किया गया 329.3 ग्राम सोना, जिसकी कीमत करीब 44,12,620 है, बरामद हुआ। इसके अलावा 70,070 नकद, करीब 24,000 कीमत का स्मार्टफोन और 20,000 कीमत की दो कलाई घड़ियां मिलीं। पुलिस ने कुल 45,26,690 का चोरी का सामान जब्त किया

है।

मुंबई की 6 चोरियों का एक साथ खुलासा पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने मुंबई के रू।क्क कॉलोनी इलाके में स्थित लक्ष्मीनारायण सोसायटी के दो बंद मकानों समेत कुल 6 घरों में चोरी की थी।

चोरी की वारदात को अंजाम देते समय आरोपी सोसायटी में लगे CCTV कैमरों में भी कैद हो गया था।

पहले भी कई मामलों में पकड़ा जा चुका है आरोपी

गिरफ्तार आरोपी की पहचान कमलजीतसिंह उर्फ शनीसिंह फुलजीतसिंह गुरदीपसिंह बंगु (26) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से अमृतसर, पंजाब का रहने वाला है और वर्तमान में नवी मुंबई तथा सायन-कोलीवाड़ा, मुंबई में रहता है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी 2017 से 2025 के बीच मुंबई के धारावी, जोगेश्वरी, कालाचौकी, खेरवाड़ी, माहिम और ऋष्स्न पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में चोरी तथा घरफोड़ चोरी के कई मामलों में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है।

डिग्री के बिना क्लिनिक चला रहा फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

UP में 3 साल कंपाउंडर का काम करने के बाद सूरत में खोल लिया 'पटेल क्लिनिक'

क्रांति समय

सूरत शहर के अमरोली थाना क्षेत्र में मानव जीवन के साथ खिलवाड़ करने और बिना किसी मान्य योग्यता या रजिस्ट्रेशन के अवैध रूप से मेडिकल प्रैक्टिस करने वाले एक फर्जी डॉक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तारवाड़ी छापराभाठा में 'पटेल क्लिनिक' नाम से दवाखाना चलाने वाले इस कथित फर्जी डॉक्टर के पास से 13,005 रुपये की एलोपैथिक दवाएं और मेडिकल उपकरण जब्त किए गए हैं।

अमरोली थाना पीआई जे.बी. वनार और पीआई एस.बी. वसावा के मार्गदर्शन में छापराभाठा चौकी के पीएसआई एस.एस. जसाणी और उनकी टीम ने कार्रवाई की।

चौकी स्टाफ को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर तारवाड़ी छापराभाठा में मारुति धाम मंदिर के पास स्थित पटेल क्लिनिक पर छापा मारा गया। यहां बिना किसी आवश्यक योग्यता के मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे कथित फर्जी डॉक्टर सुजीत लल्लाराम पटेल को पकड़ लिया गया।

पुलिस जांच में आरोपी सुजीत लल्लाराम पटेल (उम्र 47 वर्ष),निवासी कार्तिक नगर, छापराभाठा, अमरोली, मूल निवासी जौनपुर, उत्तर प्रदेश को लेकर चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है।